website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 34 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 14 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

ग्रीनलैंड पर चीन का खतरा: ट्रंप के दावे और वास्तविक स्थिति का विश्लेषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार ग्रीनलैंड पर जोरदार दावा कर रहे हैं। उन्होंने बार-बार कहा है कि अमेरिका को ग्रीनलैंड को 'हासिल करना' होगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं हुआ तो रूस या चीन वहां कब्जा कर लेंगे। ट्रंप का तर्क है कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए 'बहुत जरूरी' है, और यह 'रूसी और चीनी जहाजों से घिरा हुआ' है। वे कहते हैं कि अमेरिका को 'मालिकाना हक' चाहिए, क्योंकि लीज या समझौते से रक्षा नहीं हो सकती। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वे रूस या चीन को 'पड़ोसी' नहीं बनने देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के दावा के बीच सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या चीन वाकई ग्रीनलैंड के लिए इतना बड़ा खतरा है? विश्लेषकों और हालिया रिपोर्टों के अनुसार, आर्कटिक क्षेत्र में चीन एक छोटा और सीमित खिलाड़ी है। ट्रंप द्वारा बताए गए 'हर जगह चीनी विध्वंसक और पनडुब्बियां' जैसे दावों का कोई ठोस सबूत नहीं मिलता। वेसल ट्रैकिंग डेटा (Marine Traffic) से पता चलता है कि ग्रीनलैंड के आसपास चीनी या रूसी जहाजों की मौजूदगी नहीं है। कई विशेषज्ञों, जैसे डेनमार्क और यूरोपीय अधिकारियों ने इसे 'बकवास' बताया है।

आर्कटिक में चीन की वास्तविक स्थिति क्या है?

दरअसल, ट्रंप का दावा है कि अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना ग्रीनलैंड में चीनी सैन्य उपस्थिति बढ़ जाएगी, लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। चीन की आर्कटिक में सैन्य मौजूदगी बहुत कम है और मुख्य रूप से रूस के सहयोग पर निर्भर है। 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद रूस-चीन संयुक्त अभियानों में थोड़ी

वृद्धि हुई है, जैसे 2024 में अलास्का के पास बमवर्षक गश्त। चीन के पास कुछ हिमभंजक जहाज (आइसब्रेकर) हैं, जो समुद्र तल मानचित्रण कर सकते हैं, और आर्कटिक अवलोकन के लिए उपग्रह भी हैं, लेकिन बीजिंग इन्हें वैज्ञानिक अनुसंधान बताता है।

चीन का प्रभाव बढ़ रहा है या नहीं?

मर्कटोर इंस्टीट्यूट की हेलेना लेगार्ड जैसे विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर चीन की सेना या जुड़े संगठन क्षेत्र में नियमित उपस्थिति बनाते हैं, तो यह सुरक्षा चिंता का विषय हो सकता है। हालांकि चीन इस आर्कटिक को भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का उभरता क्षेत्र मानता है। 2018 में शुरू की गई 'पोलर सिल्क रोड' परियोजना बेल्ट एंड रोड का आर्कटिक हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 'ध्रुवीय महाशक्ति' बनना है। चीन ने आइसलैंड और नॉर्वे में अनुसंधान केंद्र बनाए हैं, और रूसी एलएनजी तथा स्वीडिश रेलवे जैसी परियोजनाओं में निवेश किया है। हालांकि, चीन को कई जगह विरोध का सामना भी करना पड़ा है। ग्रीनलैंड में पुरानी नौसैनिक अड्डे या फिनलैंड में हवाई अड्डे खरीदने के प्रस्ताव असफल रहे। अमेरिका के दबाव में ग्रीनलैंड ने 2019 में 5G के लिए हुआवेई को ठुकराया। रूस अपवाद है, जहां चीन उत्तरी तट पर संसाधनों और बंदरगाहों में भारी निवेश कर रहा है।

चीन क्या हासिल करना चाहता है?

ग्रीनलैंड में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के बड़े भंडार हैं (दुनिया का आठवां सबसे बड़ा), जो इलेक्ट्रिक वाहनों और सैन्य उपकरणों के लिए महत्वपूर्ण हैं। चीन इन सामग्रियों का वैश्विक उत्पादन में अग्रणी है, लेकिन ग्रीनलैंड में उसके प्रयास सीमित सफल रहे। क्वानेफजेल्ड प्रोजेक्ट 2021 में पर्यावरणीय चिंताओं से रुका, और 2024 में एक अन्य भंडार अमेरिकी पैरवी के बाद न्यूयॉर्क की फर्म को बेचा गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पहले की आशंकाएं (चीनी निवेश से प्रभाव बढ़ना) साकार नहीं हुईं।

10 मिनट डिलीवरी का दावा खत्म, गिग वर्कर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता

नई दिल्ली। देशभर में गिग वर्कर्स की हड़ताल के बाद क्विक कॉमर्स सेक्टर में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब आम लोगों को 10 मिनट के भीतर डिलीवरी का वादा नहीं किया जाएगा। केंद्र सरकार ने डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टाइम लिमिट वाली शर्त हटाने का निर्देश दिया है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया के हस्तक्षेप के बाद क्विक ई-कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट ने अपने सभी प्लेटफॉर्म से '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, ब्लिंकिट जल्द ही अपने विज्ञापनों और प्रचार सामग्री से भी यह टैगलाइन पूरी तरह हटा देगी। इसके बाद जेप्टो, स्विगी और जोमैटो जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह का कदम उठा सकती हैं। श्रम मंत्री ने इन कंपनियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर डिलीवरी बॉयज पर पड़ने वाले अनावश्यक दबाव को खत्म करने पर जोर दिया है। सरकार की चिंता है कि बेहद कम समय में डिलीवरी का वादा कर्मचारियों को तेज रफ्तार और असुरक्षित तरीके से काम करने के लिए मजबूर करता है। हालांकि कंपनियों का कहना है कि टैग हटाने का मतलब डिलीवरी धीमी होना नहीं है, बल्कि अब तय समय का प्रचार नहीं किया जाएगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह फैसला क्विक कॉमर्स सेक्टर में कर्मचारी सुरक्षा को लेकर एक अहम कदम है।

खराब मौसम ने बिगाड़ा फ्लाइटों का शेड्यूल, इंडिगो ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

नई दिल्ली। उत्तर और पश्चिम भारत के कुछ शहरों में घना कोहरा छाया हुआ है, जिसकी वजह से हवाई यातायात पर सीधा असर पड़ रहा है। चंडीगढ़, जम्मू और उदयपुर में कम विजिबिलिटी के कारण फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित हो रहे हैं। इसी को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो की तरफ से बताया गया है कि चंडीगढ़ में अभी घना कोहरा बना हुआ है। इसकी वजह से एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स की आवाजाही धीमी हो गई है। जो फ्लाइट्स चंडीगढ़ से उड़ान भरने वाली हैं या वहां लैंड करने वाली हैं, उनमें देरी हो सकती है। एयरलाइन का कहना है कि वे पूरी तरह से मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर ऑपरेशन कर रहे हैं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले इंडिगो की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जाकर अपनी फ्लाइट का लेटेस्ट स्टेटस जरूर चेक करें। इससे उन्हें समय की बचत होगी और एयरपोर्ट पर अनावश्यक इंतजार से भी बचा जा सकेगा। इसी तरह जम्मू और उदयपुर में भी कम विजिबिलिटी और कोहरे की वजह से फ्लाइट शेड्यूल प्रभावित हो सकता है। इंडिगो ने कहा है कि उनकी टीमें लगातार मौसम पर नजर बनाए हुए हैं और हालात के हिसाब से फैसले लिए जा रहे हैं। एयरलाइन का पूरा फोकस इस बात पर है कि यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक तरीके से उनकी मंजिल तक पहुंचाया जाए। इंडिगो ने यह भी भरोसा दिलाया है कि उनकी ग्राउंड और कस्टमर सपोर्ट टीमें हर कदम पर यात्रियों की मदद के लिए मौजूद हैं। अगर किसी फ्लाइट में देरी या बदलाव होता है, तो यात्रियों को समय पर जानकारी देने की कोशिश की जा रही है। एयरलाइन को उम्मीद है कि आने वाले समय में मौसम में सुधार होगा और आसमान साफ होने के बाद फ्लाइट ऑपरेशन फिर से सामान्य हो जाएंगे। इंडिगो ने यात्रियों से धैर्य बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है।

वडोदरा में अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026

नई दिल्ली। वडोदरा में मंगलवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव-2026 ने शहर के आसमान को रंगों और उत्साह से भर दिया। गुजरात टूरिज्म, जिला प्रशासन और वडोदरा महानगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस आयोजन में देश-विदेश से आए पतंगबाजों ने अपनी अनोखी कला का शानदार प्रदर्शन किया। महोत्सव के दौरान 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना साफ तौर पर नजर आई। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 20 से अधिक देशों और भारत के विभिन्न राज्यों से आए 160 से ज्यादा पतंगबाजों ने हिस्सा लिया। ऑस्ट्रेलिया, यूके, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड सहित कई देशों के प्रतिभागियों ने अलग-अलग डिजाइन और आकृतियों की पतंगें उड़ाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं बिहार, राजस्थान, तमिलनाडु सहित कई राज्यों के भारतीय पतंगबाजों ने भी अपनी प्रतिभा से समां बांधा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। समापन अवसर पर मेहमानों के लिए ऊंझा जलेबी की विशेष व्यवस्था की गई, जिसने उत्सव का स्वाद और बढ़ा दिया। वडोदरा के सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का साकार रूप बताया। वहीं म्युनिसिपल कमिश्नर अरुण महेश बाबू ने सभी सहयोगियों और जनता का आभार जताया।

'जन नायकन' को रोककर तमिल संस्कृति पर प्रहार कर रही सरकार, विजय के समर्थन में उतरे राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि अभिनेता विजय की फिल्म 'जन नायकन' को रोकने की केंद्र सरकार की कोशिश तमिल संस्कृति पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिल लोगों की आवाज को दबाने में कभी सफल नहीं होंगे। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब तमिल फिल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने सुप्रीम कोर्ट में मद्रास हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने उस एकल न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) को फिल्म को मंजूरी देने का निर्देश दिया गया था। मद्रास हाई कोर्ट ने 9 जनवरी को एकल न्यायाधीश के उस फैसले पर रोक लगाई, जिसमें सीबीएफसी को 'जन नायकन' को तुरंत सेंसर सर्टिफिकेट देने को कहा गया था। इस फैसले के बाद अभिनय

की दुनिया से राजनीति में कदम रख चुके विजय की फिल्म का भविष्य अनिश्चित हो गया। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से 'जन नायकन' को रोकने की कोशिश तमिल संस्कृति पर हमला है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मिस्टर मोदी, आप तमिल जनता की आवाज को कभी दबा नहीं पाएंगे।

फिल्म जन नायकन के सर्टिफिकेट पर बवाल

केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने पिछले शुक्रवार को उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश के खिलाफ अपील दायर की है। खंडपीठ ने उस एकल पीठ के निर्देश पर रोक लगा दी थी, जिसमें बोर्ड को फिल्म का प्रमाणपत्र तुरंत जारी करने को कहा गया था। कुछ महीने पहले विजय ने अपना राजनीतिक दल तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) बनाया है और 'जन नायकन' को राजनीति में पूरी तरह सक्रिय होने से पहले उनकी आखिरी फिल्म के रूप में बड़े स्तर पर प्रचारित किया जा रहा है। तय कार्यक्रम के अनुसार फिल्म पोंगल के मौके पर 9 जनवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन सीबीएफसी की ओर से समय पर सर्टिफिकेट जारी नहीं होने के कारण फिल्म को अंतिम समय में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

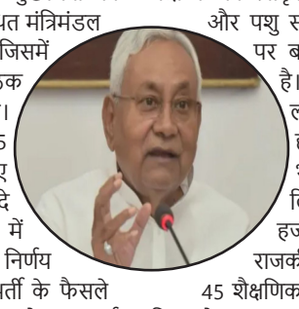

बिहार कैबिनेट ने 739 पदों पर भर्ती और कंडक्टर लाइसेंस के लिए योग्यता में बदलाव को मंजूरी दी

बिहार। समृद्धि यात्रा पर निकलने से पहले CM नीतीश कुमार ने मंगलवार, 13 जनवरी 2025 को कैबिनेट बैठक बुलाई थी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में कैबिनेट की बैठक हुई है जिसमें 41 एजेंडों पर मुहर लगी है। बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण रही है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान नीतीश कुमार एनडीए द्वारा राज्य की जनता से जो वादे किए गए हैं उन्हें पूरा करने में कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए हैं। करीब 739 पदों पर भर्ती के फैसले पर भी कैबिनेट में मुहर लगी है। रोजगार, नई नियुक्तियां, उद्योगों को बढ़ावा देने संबंधी निर्णयों पर मुहर लगी है. बिहार के 13 जेलों में नए सिरे से 9073 CCTV कैमरा लगाए जाने की स्वीकृति दी गई। इसमें 155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपए की राशि खर्च होगी। मुंबई में बिहार भवन के निर्माण के लिए 314 करोड़ 20 लाख 59000 की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

कृषि विभाग में विभिन्न पदों के 534 पद एवं पौध संरक्षण निरीक्षक के 160 पद यानी कुल 694 पदों के की स्वीकृति दी गयी है। डेयरी, मत्स्य और पशु संसाधन विभाग में 200 पदों पर बहाली की स्वीकृति की गई है। दरभंगा हवाई अड्डा के पास लॉजिस्टिक पार्क एवं कार्गो हब निर्माण के लिए 50 एकड़ भूमि अधिग्रहणकिए जाने के लिए 138 करोड़ 82 लाख 88 हजार रुपए की स्वीकृति मिली। राजकीय पॉलिटेक्निक बगहा में 45 शैक्षणिक पदों की स्वीकृति मिली है। बिहार के 779 माध्यमिक उच्च विद्यालयों के लिए राशि निर्गत की गई है। कंडक्टर के लाइसेंस के लिए शैक्षणिक योग्यता की 8वीं पास कर दी गई है। झारखंड के साथ सोन नदी के जल बंटवारे को लेकर एमओयू के लिए कैबिनेट में स्वीकृति मिली। 7.75 मिलियन एकड़ फीट जल में से 5. 75 मिलियन एकड़ फीट बिहार को और 2 मिलियन एकड़ फीट झारखंड को पानी मिलेगा।

'10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग हटाने पर आप सांसद राघव चड्ढा ने केंद्र का जताया आभार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से '10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग को हटाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम डिलीवरी राइडर्स और सड़कों पर चलने वाले सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "सत्यमेव जयते। साथ मिलकर हमने जीत हासिल की है। मैं केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से '10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग को हटाने के लिए समय पर निर्णायक और संवेदनशील कदम उठाया। यह एक बहुत जरूरी कदम था, क्योंकि जब राइडर की टी-शर्ट, जैकेट और बैग पर '10 मिनट' लिखा होता है और ग्राहक की स्क्रीन पर टाइमर चलता है तो दबाव असली, लगातार और खतरनाक होता है।" उन्होंने आगे लिखा, "पिछले कुछ महीनों में मैंने सैकड़ों गिग वर्कर्स से बात की है। उनमें से कई ज्यादा काम करते हैं, कम पैसे मिलते हैं और एक अवास्तविक वादे को पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। मैं हर उस नागरिक को धन्यवाद देता हूं जो हमारे साथ खड़ा रहा। आप इंसान की जिंदगी, सुरक्षा और गरिमा के पक्ष में मजबूती से खड़े रहे।" उन्होंने गिग वर्कर्स से कहा, "आप अकेले

नहीं हैं, हम सब आपके साथ हैं।" इससे पहले, केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें गिग वर्कर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सख्त डिलीवरी टाइम लिमिट को हटाने की सलाह दी। कंपनियों ने भी सरकार को आश्वासन दिया कि वे डिलीवरी टाइम लिमिट को अपने विज्ञापनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटा देंगे। ब्लिंकिट ने तत्काल प्रभाव के कदम उठाते हुए 10-मिनट डिलीवरी क्लेम को अपने ब्रांड प्लेटफॉर्म से हटाया। बता दें कि राघव चड्ढा ने पिछले कुछ दिनों में लगातार गिग वर्कर्स के लिए आवाज उठाई है। वर्कर्स के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए राज्यसभा सांसद ने सोमवार को पूरा दिन एक वर्कर के साथ बिताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया।

ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने क्या सीखा और पाकिस्तान का क्या हाल, आर्मी चीफ ने बताई एक-एक डिटेल

नई दिल्ली। भारत के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से भारतीय सेना ने कई अहम सबक सीखे हैं और उस वक्त भी हमारी तैयारियां पूरी थीं। भविष्य को देखते हुए सेना पूरी तरह सतर्क है और हर तरह की चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। मीडिया से बातचीत में जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकी गतिविधियों में कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद सेना की चौकसी पहले जैसी ही बनी हुई है। उन्होंने बताया कि सीमा पार अब भी करीब आठ आतंकी कैंप सक्रिय हैं, जहां आतंकी मौजूद हैं। पाकिस्तान को लेकर उन्होंने कहा कि वहां आज भी आतंकियों को तैयार करने का सिलसिला जारी है। आतंकियों की फंडिंग के तरीके जरूर बदले हैं, इसलिए संभव है कि वे तुरंत प्रतिक्रिया न दें, लेकिन उनकी तैयारियां लगातार चल रही हैं।

पाकिस्तानी ड्रोन पर क्या बोले आर्मी चीफ

हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के सवाल पर सेना प्रमुख ने कहा कि जो ड्रोन देखे गए हैं, वे आकार में बेहद छोटे हैं। ये डिफेंसिव ड्रोन

हैं, जिनका मकसद यह देखना हो सकता है कि भारत की ओर से कोई गतिविधि तो नहीं हो रही। इसके साथ ही वे जासूसी की कोशिश भी कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने साफ किया कि पाकिस्तानी पक्ष को यह समझ में आ गया है कि भारतीय सेना ने कहीं भी कोई गैप नहीं छोड़ा है और अब उनके लिए कोई भी हरकत करना आसान नहीं है। इस दौरान जनरल द्विवेदी ने नैरेटिव वॉरफेयर के मुद्दे पर भी खुलकर बात की।

अपने ही ट्विटर हैंडल्स क्यों आर्मी ने कर दिए थे बंद?

सेना प्रमुख ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नैरेटिव को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें सामने आईं। उन्होंने कहा कि जो भी जानकारी दी जाए, उसमें विश्वसनीयता और निरंतरता बेहद जरूरी है। अगर नैरेटिव डोमेन में जरा सा भी खाली स्थान रह जाता है, तो नकारात्मक खबरें तेजी से फैलती हैं और वह हमारे खिलाफ चला जाता है। उन्होंने बताया कि इसी वजह से वेस्टर्न फ्रंट से जुड़े सेना के सभी ट्विटर हैंडल्स बंद कर दिए गए थे और केवल एडीजी स्ट्रेटकॉम को ही सच का एकमात्र आधिकारिक माध्यम बनाया गया। इसका फायदा यह हुआ कि सेना की बात ज्यादा भरोसेमंद तरीके से लोगों तक पहुंची और उसकी विश्वसनीयता भी मजबूत हुई।

पाकिस्तान के नैरेटिव वॉरफेयर पर क्या बोले उपेंद्र द्विवेदी

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि मौजूदा दौर में साइकॉलजिकल डिफेंस डिविजन का होना बेहद जरूरी है और इस दिशा में काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि एक सेंट्रल डिविजन भी बनाया गया था, जो फेक न्यूज पर नजर रख रहा था और हर गलत खबर का रियल टाइम में खंडन किया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरी नहीं है कि गलत नैरेटिव सिर्फ पाकिस्तान की ओर से ही आए। यह तुर्की या किसी तीसरे देश से भी आ सकता है। इसलिए भारत को हर स्तर पर सतर्क रहकर नैरेटिव वॉरफेयर से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- कुत्तों के काटने पर मुआवजा देना होगा

नई दिल्ली। कुत्तों के काटने पर मौत या चोट के लिए मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा, डॉग लवर्स की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणियां की। अदालत ने कहा कि वह कुत्तों के काटने पर मौत या चोट के लिए राज्य सरकारों पर मुआवजा तय करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मामले में सुनवाई के दौरान आवारा कुत्तों को खुले में खाना खिलाने वालों के रवैये पर सवाल खड़ा किए। कोर्ट ने कहा कि क्या उनके जज्बात सिर्फ कुतों के लिए है, इंसान के लिए नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि अगर किसी आवारा कुत्ते के हमले में नौ साल के बच्चे की मौत हो जाती है, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों में पाए जाने वाले वायरस का जिक्र किया और कहा, "जब

बाघ आवारा कुत्तों पर हमला करके खाते हैं, उन्हें डिस्टेंपर की बीमारी हो जाती है और आखिरकार वे मर जाते हैं।" सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने दलील दी कि इस मामले को कुत्ते बनाम इंसान के मुद्दे के तौर पर नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे जानवर बनाम इंसान का मुद्दा देखना चाहिए। पिछले साल सांप के काटने से 50 हजार लोगों की मौत हुई थी। बंदरों के काटने के मामले भी होते हैं। चूहे कंट्रोल करने के लिए भी कुत्ते जरूरी हैं। इसलिए इकोसिस्टम को बैलेंस करना होगा। मेनका गुरुस्वामी ने तर्क दिया कि आवारा कुत्तों को मारने से उनकी आबादी कम नहीं होगी, और नसबंदी ही एकमात्र प्रभावी समाधान है। उन्होंने कहा कि अगर रेगुलेटर ने अपना काम ठीक से किया होता, तो आज हम इस स्थिति का सामना नहीं कर रहे होते। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह कोर्ट की कार्यवाही के बजाय एक पब्लिक प्लेटफॉर्म बन गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "हर कुत्ते के काटने और हर मौत पर हम राज्यों पर जरूरी इंतजाम न करने के लिए भारी मुआवजा तय करेंगे। कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर भी जिम्मेदारी तय करेंगे। आप उन्हें अपने घर ले जाएं और वहां रखें। उन्हें घूमने, काटने, पीछा करने की इजाजत क्यों दी जानी चाहिए? कुत्ते के काटने का असर जिंदगी भर रहता है।"

मनरेगा बचाओ संग्राम: कांग्रेस का 45 दिवसीय जन-आंदोलन

जयपुर। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा को समाप्त कर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब मजदूरों के हितों पर कुठाराघात करने के विरोध में प्रदेश कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे "मनरेगा बचाओ संग्राम" हेतु गठित प्रदेश कांग्रेस की समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक पीसीसी वॉर रूम जयपुर पर सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, समिति के संयोजक डॉ. सी. पी. जोशी, सांसद मुरारीलाल मीणा, उम्मेदाराम बेनीवाल, विधायक अशोक चांदना, रोहित बोहरा, हाकम अली, डूंगरराम गेदर, गणेश घोगरा, पूर्व विधायक बाबूलाल नागर, सांसद प्रत्याशी वैभव गहलोत, अनु. जाति विभाग की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती ममता भूपेश, ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव, अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम.डी. चौपदार, पंचायत राज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.बी. यादव, वॉर रूम चेयरमेन जसवंत गुर्जर, मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती सारिका सिंह, युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर शूरा शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया है कि जिला स्तर पर भी समन्वय समितियां गठित की जाएंगी और प्रदेश स्तरीय समिति के सदस्यगण अपने प्रभार वाले जिलों में समन्वय समिति के साथ मिलकर 45 दिवसीय अभियान के सुचारू संचालन के लिए कार्य करेंगे और जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा। प्रदेश में केन्द्र सरकार द्वारा झूठे तथ्यों के आधार पर जो नई योजना का प्रचार कर भ्रमित करने का कार्य किया जा रहा है उसका जवाब देने हेतु जनता के समक्ष घर-घर जाकर सत्य और सही तथ्य आमजनता के बीच कांग्रेस कार्यकर्ता उजागर करेंगे। समिति द्वारा प्रदेशभर में जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा बांटे जाने वाले पत्रकों का अनुमोदन किया गया और विरोध-प्रदर्शन के लिए व्यापक रूपरेखा तैयार की गई। अभियान की समीक्षा प्रतिदिन पीसीसी वॉर रूम द्वारा की जाकर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

रेयर-अर्थ की जंग: वैश्विक राजनीति में संसाधनों की नई लड़ाई

हाल के वर्षों में रेयर-अर्थ मटैरियल्स का महत्व सिर्फ तकनीकी या औद्योगिक जरूरतों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे तौर पर वैश्विक भू-राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ गया है। वॉशिंगटन में आयोजित जी-7 देशों के वित्त मंत्रियों की हालिया बैठक में इस बात पर गंभीर चिंता जताई गई कि सुरक्षा के अलावा कई अहम उद्योगों की रीढ़ बन चुके रेयर-अर्थ मटैरियल्स के उत्पादन को अब युद्ध स्तर पर बढ़ाने की जरूरत है। इस बैठक में जी-7 के सात संपन्न देशों के साथ भारत समेत चार अन्य देशों को भी आमंत्रित किया गया, जो यह संकेत देता है कि आने वाले समय में रेयर-अर्थ की राजनीति और व्यापक होने वाली है। दरअसल, कुछ ही दिन पहले चीन द्वारा जापान को क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर-अर्थ तत्वों की आपूर्ति रोकने की घटना ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को सतर्क कर दिया है। हालांकि चीन ने अमेरिका के साथ फिलहाल सोयाबीन और मक्का की खरीद बढ़ा दी है और यूएस को रेयर-अर्थ की सप्लाई भी जारी रखी हुई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं। खास तौर पर वेनेजुएला में अमेरिकी दखलंदाजी के बाद यह आशंका गहराने लगी है कि चीन भविष्य में अपने इस रणनीतिक हथियार का इस्तेमाल और सख्ती से कर सकता है। अमेरिका इससे पहले भी पिछले जून में कनाडा में हुई बैठक में रेयर-अर्थ संकट का मुद्दा उठा चुका है, लेकिन उस समय अधिकांश सदस्य देशों की मनोस्थिति चीन को नाराज न करने की थी। नतीजतन इस गंभीर विषय पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। अब हालात बदल चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दौर से ही अमेरिका को यह साफ दिखने लगा है कि रेयर-अर्थ की सप्लाई को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भरता एक बड़ा जोखिम बन सकती है। आज स्थिति यह है कि चीन दुनिया के कुल रेयर-अर्थ मटैरियल्स का करीब 47 से 87 प्रतिशत तक शोधित और संवर्धित करता है। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि वैश्विक सप्लाई चेन पर चीन की पकड़ कितनी मजबूत है। रेयर-अर्थ मटैरियल्स का इस्तेमाल मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक वाहन, सोलर पैनल, विंड टरबाइन, सेमीकंडक्टर, मिसाइल सिस्टम और अत्याधुनिक सैन्य तकनीक तक में होता है। ऐसे में किसी एक देश का इस पर नियंत्रण होना बाकी देशों के लिए रणनीतिक चिंता का विषय बन जाता है। इसी कारण पहली बार अमेरिका ने रेयर-अर्थ उत्पादन को सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा के एजेंडे में शामिल करते हुए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस पूरी कवायद के बाद अब सबसे अहम सवाल यह है कि जी-7 बैठक से क्या ठोस नतीजे निकलते हैं। क्या अमेरिका और उसके सहयोगी देश चीन पर निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक सप्लाई चेन विकसित कर पाएंगे? और क्या इसके लिए ऑस्ट्रेलिया, कनाडा या भारत जैसे देशों को आर्थिक और तकनीकी सहायता दी जाएगी?

राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर बेकाबू सत्ता: ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल, बमबारी, सेना की तैनाती और अमेरिकी लोकतंत्र पर मंडराता खतरा

-कांग्रेस और अदालतें बेअसर, विदेश से घरेलू मोर्चे तक ट्रम्प की मनमानी कार्रवाइयों ने लोकतंत्र को कमजोर किया

अमेरिका खुद को दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र कहता है, लेकिन बीते एक साल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल ने इस दावे को गहरे सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लिए गए फैसले, बिना कांग्रेस की मंजूरी सैन्य कार्रवाइयाँ, अदालतों के आदेशों की अनदेखी और देश के भीतर सेना की तैनाती—ये सब उस तस्वीर को सामने लाते हैं, जिसमें राष्ट्रपति की ताक़त लोकतांत्रिक संस्थाओं से ऊपर दिखाई देने लगी है। अपने दूसरे कार्यकाल के पहले ही साल में ट्रम्प प्रशासन ने सात देशों पर बमबारी करवाई है। इनमें ईरान और वेनेजुएला जैसे घोषित दुश्मन ही नहीं, बल्कि नाइजीरिया जैसे मित्र देश भी शामिल हैं। यह आँकड़ा केवल सैन्य आक्रामकता का संकेत नहीं है, बल्कि उस मानसिकता को उजागर करता है जिसमें सत्ता को जवाबदेही से मुक्त मान लिया गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा: एक चादर, जिसके नीचे सब कुछ छिपाया जा रहा है

ट्रम्प प्रशासन का सबसे ताक़तवर हथियार है—"राष्ट्रीय सुरक्षा"। इस एक शब्द के सहारे राष्ट्रपति ने कांग्रेस को दरकिनार किया, अदालतों के फैसलों को निष्प्रभावी किया और जनता से जवाबदेही की ज़रूरत ही खत्म कर दी। प्रशासन बार-बार यह दावा करता रहा है कि विदेशी खतरों से निपटने के लिए राष्ट्रपति के पास "व्यापक और असाधारण अधिकार" हैं। इसी तर्क के आधार पर ट्रम्प ने टैरिफ लगाए, बड़े पैमाने पर डिपोर्टेशन कराए और देश के भीतर संघीय सैनिकों की तैनाती की। इन सभी कदमों के लिए न तो कांग्रेस से अनुमति ली गई और न ही संवैधानिक प्रक्रिया का पालन किया गया। दरअसल, राष्ट्रीय सुरक्षा अब सुरक्षा का नहीं, बल्कि सत्ता-संचय का औज़ार बन चुकी है।

घरेलू धरती पर सेना: लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा

जब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण की कोशिश के बाद ट्रम्प ने कहा—"मुझे बस अपनी सेना को बधाई देनी है। उनकी बदौलत आज वॉशिंगटन सुरक्षित है। अब वॉशिंगटन डीसी में कोई अपराध नहीं है।" आम नागरिक के लिए यह बयान सामान्य लग सकता है, लेकिन इसके भीतर छिपा संकेत बेहद डरावना है। यह बयान अमेरिकी धरती पर सेना की भूमिका को सामान्य बनाने की कोशिश है। लोकतंत्र में सेना का काम सीमाओं की रक्षा करना होता है, न कि नागरिक जीवन को नियंत्रित करना। घरेलू स्तर पर सेना की तैनाती ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल की सबसे सिहरन पैदा करने वाली पहचान बन चुकी है। जिन लोगों को राष्ट्रपति स्वयं "घुसपैठिया" घोषित कर देते हैं, उनसे मातृभूमि को बचाने के नाम पर सैनिक तैनात कर दिए जाते हैं। यह वही भाषा है, वही तर्क है, जो इतिहास में तानाशाहों ने इस्तेमाल किया है।

टैरिफ से डिपोर्टेशन तक: कानून से ऊपर राष्ट्रपति

ट्रम्प ने जब अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भारी टैरिफ लगाए, तो इसके लिए भी कांग्रेस की मंजूरी नहीं ली। उनका तर्क था कि वे "अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आपात स्थिति" का जवाब दे रहे हैं। इसी तरह, बिना कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बड़े पैमाने पर डिपोर्टेशन किए गए, क्योंकि कथित तौर पर देश "विदेशी आक्रमण" के खतरे में था। यहाँ सवाल यह नहीं है कि खतरे वास्तविक थे या नहीं। सवाल यह है कि क्या राष्ट्रपति को कानून से ऊपर मान लिया गया है? लोकतंत्र में आपात स्थितियाँ अस्थायी होती हैं, लेकिन ट्रम्प के अमेरिका में आपातकाल स्थायी शासन शैली बनता जा रहा है।

कांग्रेस और अदालतें: मौजूद, लेकिन बेअसर

अमेरिकी संविधान में सत्ता का संतुलन बहुत स्पष्ट है। कांग्रेस राष्ट्रपति की शक्तियों पर अंकुश लगा सकती है और अदालतें असंवैधानिक फैसलों को रोक सकती हैं। लेकिन ट्रम्प के दौर में ये दोनों संस्थाएँ लगभग निष्प्रभावी साबित हुई हैं। कांग्रेस ने कई बार आपत्ति जताई, अदालतों ने कई बार ट्रम्प के खिलाफ फैसले दिए, लेकिन हर बार प्रशासन ने या तो उन आदेशों की अनदेखी की या कानूनी चालाकियों से उन्हें बेअसर कर दिया। यह स्थिति बताती है कि समस्या सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की है जो सत्ता के सामने झुकती जा रही है।

काराकास पर हमला: विदेश में भी वही खेल

वेनेजुएला की राजधानी काराकास पर हमले के साथ ट्रम्प ने विदेश नीति में भी वही रास्ता अपनाया, जो वे देश के भीतर अपना चुके हैं। प्रशासन का तर्क था कि मादुरो को हटाने की कोशिश कोई युद्ध नहीं थी, बल्कि यह "विदेश में की गई एक घरेलू कानून-व्यवस्था कार्रवाई" थी, जिसमें सेना ने केवल सहायता की। यह तर्क अपने आप में खतरनाक है। अगर किसी दूसरे देश में सैन्य कार्रवाई को भी घरेलू कानून-व्यवस्था का हिस्सा बताया जा सकता है, तो फिर युद्ध और शांति के बीच की रेखा ही खत्म हो जाती है।

'इंपीरियल बूमरैंग': हिंसा लौटकर घर आती है

इतिहास गवाह है कि विदेशों में की गई हिंसक कार्रवाइयाँ अंततः अपने ही देश में दमन और लोकतांत्रिक क्षरण के रूप में लौटती हैं। इसी को राजनीतिक चिंतक 'इंपीरियल बूमरैंग' कहते हैं। जब कोई देश बाहर कानून तोड़ता है, तो भीतर कानून का सम्मान भी खत्म होने लगता है। जब राष्ट्रपति विदेश में बिना जवाबदेही के बम गिराता है, तो देश के भीतर भी वह बिना जवाबदेही के आदेश देने लगता है। ट्रम्प भले ही 2015 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में विदेशी उलझनों के विरोधी रहे हों, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्होंने उसी साम्राज्यवादी रास्ते को और आक्रामक रूप में अपनाया।

सत्ता ही ट्रम्प की एकमात्र विचारधारा

ट्रम्प के पास उनकी सत्ता के अलावा कोई स्थायी विचारधारा नहीं है। अमेरिका उनके लिए कोई स्वतंत्र लोकतांत्रिक इकाई नहीं, बल्कि उनकी अपनी शख्सियत का विस्तार बन चुका है। दुनिया के सबसे अमीर देश और सबसे शक्तिशाली सेना के संसाधनों के साथ ट्रम्प यह दावा करते हैं कि उन्हें अपने कथित दुश्मनों के खिलाफ कहीं भी, कभी भी कार्रवाई करने का अधिकार है। यह सोच केवल अमेरिका के लिए ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए भय पैदा करने वाली है। एक साल से भी कम समय में सात देशों पर बमबारी कोई रणनीतिक मजबूरी नहीं, बल्कि सत्ता के नशे का सबूत है।

मित्र और शत्रु: फर्क मिटता जा रहा है

ट्रम्प की विदेश नीति में मित्र और शत्रु के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है। ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों पर हमला अपेक्षित माना जा सकता है, लेकिन नाइजीरिया जैसे मित्र देश पर बमबारी यह दिखाती है कि ट्रम्प के लिए संबंध नहीं, केवल ताक़त मायने रखती है। यह साम्राज्यवादी सोच का क्लासिक उदाहरण है, जहाँ सहयोग भी तब तक मान्य है, जब तक वह सत्ता के आगे सिर झुकाए रहे।

मादुरो जैसी ताक़त का सपना

डोनाल्ड ट्रम्प जिस तरह की अप्रतिबंधित शक्ति चाहते हैं, वही शक्ति वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने इस्तेमाल की थी। अपने परिवार और साथियों को समृद्ध करना, राजनीतिक विरोधियों को डराना, प्रेस की आवाज़ दबाना, और सड़कों को अपने इशारों पर चलने वाले सशस्त्र लोगों से भर देना—ये सब मादुरो के शासन की पहचान रही है। ट्रम्प इनमें से कई कदम पहले ही उठा चुके हैं। मीडिया को "दुश्मन" बताना, विरोध को राष्ट्रविरोधी करार देना और हथियारबंद बलों को सामान्य राजनीतिक उपकरण की तरह इस्तेमाल करना—ये सभी संकेत हैं कि उनका इरादा यहीं रुकने का नहीं है। अमेरिका आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ सवाल यह नहीं है कि ट्रम्प क्या करेंगे, बल्कि यह है कि लोकतांत्रिक संस्थाएँ उन्हें रोक पाएँगी या नहीं। अगर राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर राष्ट्रपति को हर सीमा लांघने की छूट मिलती रही, अगर कांग्रेस और अदालतें केवल दर्शक बनी रहीं, और अगर जनता भय या भ्रम में चुप रही—तो अमेरिका का लोकतंत्र केवल एक नाम भर रह जाएगा। ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल केवल अमेरिकी राजनीति की कहानी नहीं है।

अच्छी जीडीपी ग्रोथ के बावजूद भारत से प्रतिभाओं का पलायन, घटता निवेश और कमजोर रोजगार अर्थव्यवस्था की असली चुनौती

-ब्रेन ड्रेन, सुस्त निवेश और रोजगार संकट भारत की विकास कहानी पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे

यह बात सच है कि भारत आज भी दुनिया की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक़ देश की जीडीपी वृद्धि दर 8 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है, जो किसी भी बड़े देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल ऊँची विकास दर ही किसी अर्थव्यवस्था की असली सेहत बताने के लिए काफ़ी है? हाल के रुझान बताते हैं कि इसके पीछे कई बुनियादी कमजोरियाँ छिपी हुई हैं, जिन पर अब गंभीरता से ध्यान देने की ज़रूरत है। आज भारत जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें एक तरफ़ तेज़ ग्रोथ के दावे हैं, तो दूसरी तरफ़ विदेशी पूंजी का घटता प्रवाह, युवाओं में बढ़ती निराशा, रोजगार की कमी और देश से प्रतिभाओं का लगातार पलायन। यही वजह है कि अब भारत की विकास कहानी पहले जैसा भरोसा और उत्साह पैदा नहीं कर पा रही है।

विदेशी निवेशकों का भरोसा क्यों कम हो रहा है?

किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी पूंजी यानी एफडीआई (Foreign Direct Investment) एक अहम संकेतक होती है। यह न सिर्फ़ पूंजी लेकर आती है, बल्कि तकनीक, मैनेजमेंट कौशल और वैश्विक बाज़ारों से जुड़ाव भी देती है। लेकिन हाल के वर्षों में भारत में विदेशी निवेश का ग्राफ़ तेज़ी से नीचे आया है। आश्चर्य की बात यह है कि जब दुनिया की कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी निवेश फिर से लौट रहा है, तब भारत इससे उलटी दिशा में जा रहा है। पिछले साल भारत ने करीब 19 अरब डॉलर का रिकॉर्ड नेट आउट-फ्लो देखा, यानी जितनी विदेशी पूंजी आई, उससे कहीं ज़्यादा बाहर चली गई। विदेशी निवेशकों को शक है कि 8 प्रतिशत से ज़्यादा बताई जा रही जीडीपी वृद्धि दर ज़मीनी हकीकत को पूरी तरह नहीं दर्शाती। उनका मानना है कि आंकड़ों के पीछे मांग की कमजोरी, रोजगार संकट और कॉर्पोरेट सेक्टर की सुस्ती जैसी समस्याएँ छिपी हुई हैं।

जीडीपी बनाम कॉर्पोरेट कमाई का फर्क

आमतौर पर किसी देश में कॉर्पोरेट राजस्व यानी कंपनियों की कमाई, अर्थव्यवस्था की रफ्तार के साथ-साथ बढ़ती है। अगर जीडीपी तेज़ी से बढ़ रही हो, तो कंपनियों की बिक्री और मुनाफ़ा भी उसी अनुपात में बढ़ना चाहिए। लेकिन भारत में हालात उलटे दिख रहे हैं। पिछले साल सूचीबद्ध कंपनियों की कॉर्पोरेट राजस्व वृद्धि दर, जीडीपी वृद्धि की तुलना में मुश्किल से आधी रही। इसका सीधा मतलब यह है कि अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से तक ग्रोथ का फायदा पहुँच ही नहीं पा रहा। यह अंतर बताता है कि खपत कमजोर है, आम लोगों की क्रय-शक्ति दबाव में है और रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं बन पा रहे। ऐसे में सिर्फ़ जीडीपी आंकड़ों से संतुष्ट हो जाना एक बड़ी भूल हो सकती है।

बढ़ता पलायन: एक गंभीर चेतावनी

भारत के लिए सबसे चिंताजनक संकेतों में से एक है देश से लोगों का बढ़ता पलायन। इस दशक में हर साल औसतन 6.75 लाख लोग भारत छोड़कर बाहर जाकर बस रहे हैं। इसके मुकाबले 2010 के दशक में यह संख्या करीब 3.25 लाख प्रति वर्ष थी। यानी पिछले दस-बारह सालों में पलायन की रफ्तार लगभग दोगुनी हो चुकी है। दुनिया में भारत से ज़्यादा पलायन केवल कुछ ही देशों—जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और युद्धग्रस्त यूक्रेन—से हुआ है। चीन भी बड़ी संख्या में लोगों को खो रहा है, लेकिन भारत के मामले में चिंता इसलिए ज़्यादा है क्योंकि यहाँ से जाने वालों में बड़ी तादाद कुशल और शिक्षित युवाओं की है।

ब्रेन ड्रेन: भविष्य पर मंडराता खतरा

भारत से बाहर जाने वालों में एक बड़ा हिस्सा तथाकथित 'ब्रेन ड्रेन' का है। यानी वही डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट और मैनेजमेंट प्रोफेशनल, जिनकी देश को सबसे ज़्यादा ज़रूरत है। आज हालात यह हैं कि सिलिकॉन वैली के तकनीकी कार्यबल का लगभग एक-तिहाई हिस्सा भारतीयों का हो चुका है। यह एक तरफ़ भारतीय प्रतिभा की काबिलियत दिखाता है, लेकिन दूसरी तरफ़ यह भी बताता है कि देश के भीतर इन प्रतिभाओं के लिए पर्याप्त मौके और अनुकूल माहौल नहीं बन पा रहा।

रोजगार संकट और युवाओं की मायूसी

हर साल देश में लाखों युवा नौकरी की तलाश में बाज़ार में उतरते हैं, लेकिन पिछले एक दशक से हालात लगभग जस के तस बने हुए हैं। अनुमान के मुताबिक़ हर साल करीब 3 लाख कुशल युवाओं को उनकी योग्यता के मुताबिक़ नौकरी नहीं मिल पा रही। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों—आईआईटी—में भी स्थिति चिंताजनक है। 2024 में लगभग 38 प्रतिशत आईआईटी छात्रों को कैम्पस प्लेसमेंट के दौरान एक भी नौकरी का प्रस्ताव नहीं मिला। यह आंकड़ा अपने आप में बताने के लिए काफ़ी है कि उच्च शिक्षा और रोजगार के बीच की कड़ी कितनी कमजोर हो चुकी है।

खाड़ी देशों की ओर बढ़ता रुझान

बेहतर रोजगार और ऊँची आमदनी की तलाश में बड़ी संख्या में भारतीय उन गिने-चुने देशों की ओर जा रहे हैं, जो आज भी प्रवासियों के प्रति अपेक्षाकृत अनुकूल माने जाते हैं। इनमें यूएई और सऊदी अरब प्रमुख हैं, जहाँ कंस्ट्रक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर बूम ने नौकरियों के नए अवसर पैदा किए हैं। हालाँकि यह पलायन रेमिटेंस के रूप में कुछ फायदा ज़रूर देता है, लेकिन लंबे समय में इससे देश की मानव पूंजी कमजोर होती जाती है।

लाइसेंस राज और निवेश की राह में अड़चनें

भारत लंबे समय से विदेशी पूंजी को आकर्षित करने में पिछड़ता रहा है। इसके पीछे एक बड़ा कारण अब भी बना हुआ 'लाइसेंस राज' और जटिल नियामक ढांचा है। ज़मीन अधिग्रहण, पर्यावरण मंज़ूरी, श्रमिक कानून और कर्मचारियों की नियुक्ति या छंटनी—इन सब प्रक्रियाओं को निवेशकों के लिए अत्यधिक महंगा और पेचीदा बना दिया गया है। नतीजा यह है कि कई विदेशी कंपनियाँ भारत की बजाय वियतनाम, इंडोनेशिया या बांग्लादेश जैसे देशों को तरजीह देने लगी हैं।

एफडीआई में भारत की गिरती रैंकिंग

वियतनाम अपने उछाल के दौर में शुद्ध एफडीआई को अपनी जीडीपी के 4 प्रतिशत से ऊपर ले गया था। इसके मुकाबले भारत में यह आंकड़ा कभी भी 1.5 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाया। अब हालात और खराब हैं—शुद्ध एफडीआई घटकर महज़ 0.1 प्रतिशत रह गया है। पिछले एक दशक में शुद्ध एफडीआई/जीडीपी के आधार पर 25 सबसे बड़े उभरते देशों में भारत की रैंकिंग 12वें स्थान से फिसलकर 19वें पर पहुँच चुकी है।

सोशल मीडिया और एआई के दौर में बदली वोटर की सोच, इसलिए पुराने चुनाव-सर्वे और एग्जिट पोल बार-बार चूक रहे हैं

-डिजिटल माइक्रो-टारगेटिंग और वायरल कंटेंट ने मतदान व्यवहार बदला, सर्वे पद्धति में सुधार अब जरूरी

चुनाव खत्म होते ही एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल और सर्वेक्षणों की सटीकता पर बहस भी जैसे थम जाती है। फिर अगला चुनाव आते-आते वही सवाल नए सिरे से उठ खड़े होते हैं—क्या सर्वे सही थे, कहां चूके, किसने ज्यादा गलती की और क्यों। अप्रैल–मई में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी जैसे राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में यह बहस फिर लौटना तय है। लेकिन इस बार मामला पहले से कहीं ज्यादा गंभीर है, क्योंकि हालिया चुनावों में सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता पर गहरा सवाल खड़ा हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं, जब लगभग सभी एग्जिट पोल औंधे मुंह गिर पड़े। नतीजे आए तो तस्वीर सर्वे अनुमानों से बिल्कुल अलग थी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी सर्वे वोटरों का मिजाज भांपने में नाकाम रहे। बिहार चुनावों में इनका रिकॉर्ड मिला-जुला रहा—अधिकतर ने एनडीए की जीत तो बताई, लेकिन इतने भारी बहुमत की कल्पना शायद ही किसी ने की हो। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी एग्जिट पोल के अनुमान अपेक्षित सटीकता से दूर रहे। सवाल यह नहीं कि सर्वे गलत क्यों हुए, बल्कि यह है कि वे बार-बार क्यों चूक रहे हैं।

पुराने पैमाने, नया दौर

चुनाव सर्वेक्षण आज भी बड़े पैमाने पर उन्हीं पारंपरिक पैमानों पर टिके हैं, जिन पर दशकों से भरोसा किया जाता रहा है—जाति, वर्ग, धर्म, लिंग, उम्र और क्षेत्र। इसमें कोई शक नहीं कि ये फैक्टर आज भी अहम हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में सामाजिक पहचान वोटिंग व्यवहार को प्रभावित करती है। लेकिन दिक्कत यह है कि सर्वे एजेंसियां इन्हीं स्थिर फैक्टर्स को अंतिम सच मानकर चल रही हैं, जबकि वोटर का मन अब पहले जैसा स्थिर नहीं रहा। पिछले कुछ वर्षों में चुनावी राजनीति का मैदान तेजी से डिजिटल हुआ है। सोशल मीडिया, मैसेजिंग ऐप्स, वीडियो प्लेटफॉर्म और एआई आधारित टूल्स ने मतदाता तक पहुंचने का तरीका पूरी तरह बदल दिया है। अब वोटर केवल रैली, अखबार या टीवी बहस से राय नहीं बनाता, बल्कि वह व्हाट्सऐप फॉरवर्ड, इंस्टाग्राम रील, यूट्यूब वीडियो और एक्स (ट्विटर) पर चल रहे ट्रेंड्स से भी प्रभावित होता है। यह प्रभाव कई बार इतना गहरा होता है कि वह उसकी पारंपरिक राजनीतिक पसंद को भी हिला देता है।

एआई और माइक्रो-टारगेटिंग का खेल

बीते कुछ चुनावों से राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों ने एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स में भारी निवेश किया है। मकसद साफ है—वोटरों को बड़े-बड़े वर्गों में नहीं, बल्कि बेहद छोटे-छोटे समूहों में बांटना और हर समूह के लिए अलग संदेश गढ़ना। इसे ही माइक्रो-टारगेटिंग कहा जाता है। इस रणनीति के तहत पार्टियां वोटरों की सोशल मीडिया गतिविधियों, ऑनलाइन खोज, उपभोक्ता व्यवहार और डिजिटल फुटप्रिंट का इस्तेमाल करती हैं। कोई पहली बार वोट देने वाला युवा है, कोई स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा है, कोई खास सरकारी योजना का लाभार्थी है—हर किसी के लिए अलग नैरेटिव तैयार किया जाता है। धीरे-धीरे वोटर अपनी पारंपरिक पहचान—जैसे जाति या इलाके—से ज्यादा इन नए डिजिटल वर्गों के आधार पर सोचने लगता है। यही वह बिंदु है, जहां परंपरागत सर्वे मॉडल फेल होने लगते हैं। क्योंकि ये सर्वे ऐसे व्यवहार आधारित, तेजी से बदलते समूहों को पकड़ ही नहीं पाते।

सैंपलिंग की सीमा

अधिकतर सर्वे एजेंसियां अब भी पारंपरिक सैंपलिंग तकनीक अपनाती हैं। वे तय करते हैं कि किसी इलाके से कितने पुरुष, कितनी महिलाएं, किस जाति या वर्ग से कितने लोग सवालों के जवाब देंगे। यह तरीका तब तक ठीक था, जब वोटिंग व्यवहार अपेक्षाकृत स्थिर होता था। लेकिन आज स्थिति अलग है। आज यह जानना उतना ही जरूरी है कि कोई वोटर किस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा वक्त बिताता है, किन इंफ्लुएंसर्स को फॉलो करता है, किस तरह का सियासी कंटेंट देखता या शेयर करता है। पारंपरिक सर्वे इन सवालों को या तो पूछते ही नहीं, या बहुत सतही तौर पर पूछते हैं। नतीजा यह होता है कि एक ही जाति, एक ही मोहल्ले और एक ही आय वर्ग के भीतर भी राय के गहरे विभाजन सर्वे में दर्ज नहीं हो पाते। जब बाद में विश्लेषक केवल सामाजिक और जनसांख्यिकीय आंकड़ों के आधार पर नतीजों का अनुमान लगाते हैं, तो ये आंतरिक विभाजन हल्के में छूट जाते हैं। कागज पर सर्वे संतुलित नजर आते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत और सोशल मीडिया से प्रभावित वोटर के अस्थिर मन से उनका मेल नहीं बैठता।

वायरल कंटेंट और आखिरी दिनों का असर

2024 के लोकसभा चुनाव में यह बात खास तौर पर सामने आई कि प्रचार के आखिरी दिनों में वायरल कंटेंट कितना असर डाल सकता है। वरिष्ठ नेताओं और सेलेब्रिटीज के फर्जी वीडियो और ऑडियो क्लिप बड़ी तेजी से फैले। कई मामलों में जब तक तथ्यपरक जानकारी या खंडन प्रभावित वोटरों तक पहुंचता, तब तक गलत सूचना अपना काम कर चुकी होती। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल की एक बड़ी कमजोरी यह भी है कि वे अक्सर मतदान खत्म होने से काफी पहले अपना फील्डवर्क रोक देते हैं, या फिर बूथ से दूर खड़े होकर पोस्ट-पोल इंटरव्यू करते हैं। ऐसे में वे न तो गलत सूचना के फैलाव को पकड़ पाते हैं और न ही उसके बाद होने वाले सुधार को। यह खामी खासकर उन मार्जिनल सीटों पर भारी पड़ती है, जहां एक–दो प्रतिशत वोटों का स्विंग ही नतीजा पलट देता है। वहां आखिरी 48–72 घंटे में सोशल मीडिया पर बना नैरेटिव निर्णायक हो सकता है, लेकिन सर्वे मॉडल उसे दर्ज ही नहीं कर पाते।

कड़ी टक्कर और गलत अनुमान

कड़ी टक्कर वाली सीटों पर पुराने, अपेक्षाकृत स्थिर मानकों पर बने सर्वे मॉडल सबसे ज्यादा चूकते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि वोटर की पसंद एक निश्चित ढांचे में बंधी है, जबकि हकीकत में वह लगातार बदल रही होती है। वायरल वीडियो, भावनात्मक अपील, डर या उम्मीद पैदा करने वाले मैसेज—ये सब मिलकर आखिरी वक्त में लहर बना सकते हैं। जब यह लहर नतीजों में दिखती है, तो सर्वे एजेंसियां बाद में कारण ढूंढती फिरती हैं। लेकिन असल वजह उनकी मैथडोलॉजी में छिपी होती है।

अब क्या बदलना होगा

अगर चुनाव-सर्वेक्षणों को फिर से विश्वसनीय बनाना है, तो उनकी पद्धति में बुनियादी बदलाव जरूरी है। सिर्फ जाति, वर्ग और क्षेत्र के आंकड़ों से काम नहीं चलेगा।

युवा देश का भविष्य हैं और राजस्थान का गौरव - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और राजस्थान का गौरव हैं। देश-विदेश के विकास में युवा शक्ति का अहम योगदान है। युवाओं की मेहनत एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से ही विकसित भारत 2047 के सपने को साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वागड़ क्षेत्र आदिवासी बहुल क्षेत्र है तथा हमारी सरकार आदिवासियों के सशक्तीकरण के लिए निरन्तर निर्णय ले रही है। राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं से प्रत्येक वर्ग व क्षेत्र लाभान्वित हो रहा है तथा इनसे वागड़ क्षेत्र में भी विकास के नये आयाम स्थापित हो रहे हैं।

बेणेश्वर धाम के सौन्दर्यीकरण को लेकर दिया गया प्रस्तुतीकरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का हरिद्वार माने जाने वाला बेणेश्वर धाम एक ऐतिहासिक स्थल है। देश-प्रदेश में इस धाम की विशेष मान्यता है। हमारी सरकार आस्था के इस प्रमुख केन्द्र के संरक्षण, यहां आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने तथा इसे संवारने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान बेणेश्वर धाम के सौन्दर्यीकरण को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर डूंगरपुर से आए युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में निवेश अनुकूल नीतियों के कारण युवाओं को आईटी, उद्योग, स्टार्टअप सहित विभिन्न क्षेत्रों में नौकरियों के भरपूर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों के युवाओं के सशक्तीकरण पर सरकार विशेष रूप से ध्यान दे रही है तथा इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार ने अनेक योजनाए संचालित की हैं। उन्होंने वागड़ के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे कौशल प्रशिक्षण सीखकर तकनीक अपनाएं और नवाचार करें जिससे वे रोजगार प्रदाता भी बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। नशा परिवार तोड़ता है, करियर बर्बाद करता है, जीवन नष्ट करता है। अगर कोई मित्र नशे की तरफ जाए तो उसे रोकें। उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं पुलिस के सहयोग से नशामुक्ति के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करें। साथ ही, सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक खबरों से बचें।

पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराई 351 परीक्षाएं

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरन्तर निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों में युवाओं को एक लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं तथा 1 लाख 43 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। हम युवाओं को 5 साल में निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसर देंगे तथा अब तक 2 लाख से अधिक रोजगार के अवसर दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के दो साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ तथा 351 परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई हैं, जिससे अब प्रदेश पेपरलीक मुक्त राजस्थान बन गया है।

युवा नीति से युवाओं को आगे बढ़ने के मिलेंगे पर्याप्त अवसर

शर्मा ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उद्यमिता के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए हमारी सरकार मिशन मोड पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के माध्यम से 18 से 45 वर्ष के लोगों को ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही, नई युवा नीति जारी की गई है। इस नीति से शिक्षा और कौशल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं का आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ के एमओयू में से 8 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। इसका फायदा वागड़ क्षेत्र के युवाओं को मिलेगा। साथ ही, वागड़ क्षेत्र में रोजगार मेलों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान हों।

इस अवसर पर सागवाड़ा के विधायक शंकरलाल डेचा सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

आमेर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष का भव्य स्वागत

जयपुर\आमेर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के लगातार दूसरी बार प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त होने पर हमीद खान मेवाती के सम्मान में आमेर विधानसभा क्षेत्र में भव्य स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मोर्चा प्रदेश मंत्री शहजाद खान के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारियों, गणमान्य वरिष्ठजनों एवं क्षेत्रवासियों ने नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती का पुष्पहार पहनाकर एवं साफा बाँधकर गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद प्रदान किया। आमेर विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रहे सफीक अहमद सहित 21 लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती रेशमा हुसैन, प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट जंग बहादुर, प्रदेश मंत्री शहजाद खान, प्रदेश कार्यालय मंत्री उस्मान खां चौहान, प्रदेश आईटी सेल इरशाद हसनपुरा तथा जयपुर शहर महामंत्री एम. परवेज़ खान की गरिमामय उपस्थिति रही।

वासुदेव देवनानी के जन्म दिवस पर जयपुर सिंधी समाज ने दी बधाई

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर\जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के जन्म दिवस के अवसर पर जयपुर सिंधी समाज के प्रमुख संगठन के पदाधिकारीयों ने उनके सरकारी आवास पर पहुंच कर जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनके दीर्घायु की कामना की। इस सुनहरे मौके पर सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई एवं उनके मार्गदर्शन से सभी लाभान्वित हुए। भेंट करने वालों में सिंधी सेंट्रल पंचायत जयपुर महानगर के अध्यक्ष गिरधारी मनकानी, राजस्थान सिंधी पंचायत के कार्यकारिणी अध्यक्ष चंद्र प्रकाश खेतानी, चेटीचंद सिंधी मेला समिति महानगर जयपुर के अध्यक्ष सीए नरेंद्र मूलचंदानी एवं भाजपा जयपुर जिला मंत्री प्रिया ज्ञानानी श्रीमती अल्पना कटेजा ने अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आत्मीय चर्चा की। इनके साथ वरिष्ठ प्रचारक बाबूलाल, अमर सिंह राजपुरोहित एवं भाई संजय माचेडी भी उपस्थित रहे।

जन आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा प्रदेश का आगामी बजट - जोगाराम पटेल

-कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय बजट पूर्व संवाद बैठक का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश का आगामी बजट जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने वाला होगा, जिसमें समाज के हर वर्ग और तबके के हितों का समुचित ध्यान रखा जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार बजट से पूर्व सभी क्षेत्रों के हितधारकों से संवाद कर सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं, ताकि बजट अधिक से अधिक जनोपयोगी बन सके। यह बात जयपुर जिले के प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कही। प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में चिकित्सक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समूहों के प्रतिनिधि, एनजीओ, सिविल सोसायटी एवं उपभोक्ता फोरम, कृषक, पशुपालक एवं डेयरी संगठन, युवा एवं खिलाड़ी, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र, व्यापार, कर सलाहकार, युवा प्रोफेशनल्स, राजीविका से जुड़ी महिला प्रतिनिधियों सहित विभिन्न संगठनों ने बजट से जुड़े अपने सुझाव प्रस्तुत किए। प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने सभी हितधारकों को आश्वस्त किया कि प्राप्त सुझावों का समुचित परीक्षण कर उन्हें बजट निर्माण प्रक्रिया में सम्मिलित करने हेतु राज्य सरकार को प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने अमृत काल में राजस्थान को और अधिक समृद्ध, विकसित एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी संगठनों और नागरिकों से सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। हितधारकों के साथ संवाद के पश्चात प्रभारी मंत्री ने जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक भी ली। बैठक में पंच गौरव प्रोत्साहन योजना, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना सहित राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही पूर्व बजट घोषणाओं के अंतर्गत भूमि आवंटन, स्थानीय स्तर पर जारी स्वीकृतियों के समयबद्ध क्रियान्वयन तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सड़क, बिजली एवं पानी से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु बनाई गई कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने 'रास्ता खोलो अभियान', 'नरेगा आखर अभियान', 'सक्षम जयपुर अभियान' सहित जयपुर जिला प्रशासन द्वारा संचालित नवाचारों की सराहना करते हुए इन्हें सुशासन की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि 'रास्ता खोलो अभियान' ने लाखों ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान किया है, जो अनुकरणीय है। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जयपुर राजस्थान का आइना है, अतः यहां का प्रशासनिक प्रदर्शन प्रेरणादायी होना चाहिए। उन्होंने सरकार की मंशानुसार आमजन से जुड़ी सभी योजनाओं एवं परियोजनाओं का समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि समाज के अंतिम छोर तक राहत पहुंचाई जा सके। बैठक में विकसित भारत—रोज़गार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) योजना की जानकारी साझा करते हुए इसके सकारात्मक प्रभावों को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि एवं विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से जुड़े प्रस्तावों के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के द्वारा भरतपुर संभाग के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का चयन

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के द्वारा भरतपुर संभाग के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का चयन अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको एवं संरक्षक अशरफ अली खिलजी के निर्देशानुसार रमजान एवं अकबर अली की मौजूदगी में किया गया। प्रदेश के कई जिलों से पदाधिकारी एवं प्रतिनिधिगण जयपुर पहुंचे और महापंचायत अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको का माला, साफा पहनकर स्वागत किया गया साथ ही अब्दुल लतीफा आरको द्वारा महापंचायत की नियुक्तियां प्रदान करते हुए मोहम्मद अली हाजी रिटायर्ड पीटीआई को भरतपुर संभाग के अध्यक्ष का नियुक्ति पत्र सौंपा गया तथा हिंडौन सिटी से निजामुद्दीन को प्रदेश कमेटी में मुख्य जिम्मेदारी दी गई। रमजान एवं अकबर अली के सानिध्य में रमजान पूर्व सरपंच अटारी वाले, कलवा बरसूं, कलवा मास्टर मेहरावर, सुनहरी सरसा, निजामुद्दीन हिंडौनसिटी, शरीफ उर्फ घौंसी अड़तिया भरतपुर, मुहम्मद अली रिटायर्ड शारीरिक अध्यापक भरतपुर, जाकिर हुसैन अगवाली, बशीर व्याख्याता हेलक वाले आदि उपस्थित रहे।

घुमन्तु समुदाय के शिविरों के लिए सामाजिक न्याय विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के लिए 31 जनवरी तक चलाए जा रहे सहायता शिविरों के संबंध में दिशा निर्देश दिए। विभाग के मुख्यालय अंबेडकर भवन से वीसी के जरिए सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए मोदी ने कहा कि विभाग की कोशिश है कि घुमन्तु समुदाय के ज्यादा से ज्यादा लोगों को ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी कर कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जिलों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की समस्त पंचायत समिति एवं नगरपालिका या नगर परिषद या नगर निगम में 31 जनवरी तक लगने वाले सहायता शिविरों में समुदाय की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। निदेशक ने कहा कि प्रत्येक कैम्प में समन्वय के लिए एक प्रभारी अधिकारी एवं दो-तीन ई-मित्र धारक रहें ताकि पहचान पत्र जारी करने में सुगमता रहे। उन्होंने शिविरों में विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय से आवेदन के समय कोई शुल्क नहीं लेने के निर्देश दिए। मोदी ने कहा कि शिविरों में घुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों के मतदाता पहचान पत्र आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र आदि बनवाने में सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक पंचायत समिति में एवं शहरी क्षेत्रों के स्थानीय परिस्थिति अनुसार 5-8 वार्ड का क्लस्टर बनाकर प्रत्येक क्लस्टर पर कैम्प आयोजित करवाने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़, उप निदेशक सुश्री श्रद्धा गौतम सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगरीय विकास कर को वसूलने के लिए किये जा रहें हैं लगातार प्रयास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार जोन स्तर पर नगरीय विकास कर वसूलने के वृहद प्रयास किये जा रहे हैं। उपायुक्त विद्याधर नगर जोन करणी सिंह नेतृत्व में मंगलवार को 4 सम्पत्तियों के नगरीय विकास कर बकाया होने पर कुर्की की कारवाई की गई जिसमें से एक सम्पत्तिधारक द्वारा मौके पर ही राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में ब्याज पैनल्टी पर देय छूट का लाभ लेते हुए संपत्ति पर बकाया नगरीय विकास कर राशि निगम कोष में जमा करवाई गई। जिसके पश्चात् कुर्क की गई 4 सम्पत्तियों में से एक सम्पत्ति को कुर्क मुक्त कर दिया गया। शेष 3 सम्पत्तियों पर राजस्व अधिकारी डॉ. सरोज पारीक, राजस्व निरक्षक चंद्रमोहन महावर तथा संबंधित फर्म के साथ संयुक्त रूप से मिलकर संपत्तियों को कुर्क कराया गया।

जन समस्याओं पर कांग्रेस का हल्लाबोल

-हवामहल-आमेर जोन DC सीमा चौधरी के कार्यालय का किया घेराव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के हवामहल-आमेर जोन में आज सियासी पारा चढ़ गया। जन समस्याओं की लगातार हो रही अनदेखी से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जोन उपायुक्त (DC) कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया।

DC के खिलाफ नारेबाजी, जनता की अनदेखी का आरोप:

प्रदर्शनकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोन DC सीमा चौधरी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 'मुर्दाबाद' के नारे लगाए। कांग्रेस पदाधिकारियों का आरोप है कि क्षेत्र की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है, लेकिन अधिकारी उनकी सुध नहीं ले रहे हैं।

सड़क पर उतरे कार्यकर्ता:

बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी हाथों में तख्तियां लेकर सड़क पर उतरे और डीसी कार्यालय के बाहर धरना दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही जन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे।

अवैध हथियार की सूचना पर बड़ी कार्रवाई, फ्लैट से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर में बढ रही अवैध हथियार व अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व अवैध मादक पदार्थ बेचने वालो का पता लगाकर अतिशीघ्र कार्यवाही करने के लिए ललित किशोर शर्मा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण के मार्गदर्शन में सुनिल प्रसाद शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त सोडाला के निकट सुपरविजन में दलबीरसिंह पु.नि थानाधिकारी पुलिस थाना श्यामनगर के निर्देशन में टीम गठित की गयी। गठित टीम द्वारा ईलाका थाना में मादक पदार्थों की रोकथाम हेतू सतत निगरानी व लगातार सूचनाऐ संकलित कर 11.01.2026 को जिला विशेष शाखा जयपुर दक्षिण के कानिस्टेबल संदीप की सूचना पर सुखदेव पुत्र तुलसाराम उम्र 26 साल जाति जाट निवासी गांव बायतु चिमनजी पोस्ट बायतु पुलिस थाना बायतु जिला बाडमेर हाल किरायेदार फ्लेट नं 202 प्लाट नं 54 स्प्रिंग स्टे पीजी के पीछे देवीनगर नाले के पास नव निर्माण नगर पुलिस थाना श्यामनगर जयपुर को दस्तयाब कर चैक किया गया तो उसके पास अवैध मादक पदार्थ MDMA कुल वजन 12 ग्राम, चरस कुल वजन 1.207 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम कुल वजन 1.171 किलोग्राम व 03 इलेक्टोनिक कांटा मिला। इस प्रकार उक्त मुल्जिम द्वारा अवैध मादक पदार्थ बेचान करना अपराध धारा 8/18, 8/20, 8/22 एनडीपीएस एक्ट का पाया जाने पर अभियोग दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

गिरफ्तार शुदा आरोपी-

सुखदेव पुत्र तुलसाराम उम्र 26 साल जाति जाट निवासी गांव बायतु चिमनजी

गठित टीम के सदस्य-

दलबीरसिंह पुनि., पवन कुमार कानि नं. 10594, सौरभ कानि नं. 8833, महेशचंद कानि नं. 9785, हरिसिंह चालक कानि नं.5802, विशम्भर दयाल पुनि. जिला विशेष शाखा जयपुर दक्षिण, संदीप कानि नं. 8317, अनुज कानि नं. 12831, रवि कानि नं. 12246, दामोदर कानि नं. 10867, राजेश चालक आदि।

सेना दिवस परेड-2026 जयपुर में सेना के साहस, शौर्य और स्वाभिमान का भव्य प्रदर्शन

-तीसरी एवं अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल में उमड़ा जनसैलाब, देशभक्ति के गूंजे नारे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन पर राजधानी जयपुर में आयोजित हो रही सेना दिवस परेड-2026 ने शहर को राष्ट्रभक्ति, गौरव और सैन्य सामर्थ्य के उत्सव में बदल दिया है। पहली बार आर्मी एरिया से बाहर आयोजित हो रही इस 78वीं सेना दिवस परेड को लेकर आमजन में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। जगतपुरा स्थित महल रोड़ पर मंगलवार को आयोजित तीसरी और अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल में हजारों की संख्या में मातृशक्ति, युवा, विद्यार्थी एवं नागरिकों ने सहभागिता कर भारतीय सेना के साहस, पराक्रम, अनुशासन और आधुनिक युद्ध क्षमता का सजीव अनुभव किया। इस दौरान लोगों ने देशभक्ति के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर भारतीय सेना का उत्साहवर्धन किया। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान भारतीय सेना की आधुनिक सैन्य एवं युद्धक क्षमता का व्यापक प्रदर्शन किया गया। स्वदेशी तकनीक से विकसित मिसाइल प्रणालियां, अत्याधुनिक टैंक, सैन्य वाहन, ड्रोन, एंटी एयर एवं एंटी टैंक हथियारों के माध्यम से सेना की सामरिक शक्ति को प्रदर्शित किया गया। ऑपरेशन सिंदूर की झांकी, ब्रह्मोस मिसाइल, हेलिकॉप्टर आधारित हथियार प्रणाली तथा रोबोटिक डॉग्स ने भविष्य की युद्ध रणनीतियों की झलक प्रस्तुत की।

ड्रोन शक्ति रही आकर्षण का केन्द्र-

इस दौरान भारतीय सेना की ड्रोन शक्ति (ईगल प्रहार) विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। चार हजार मीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने वाले अत्याधुनिक ड्रोन आधुनिक युद्ध तकनीक को स्पष्ट रूप से दर्शाते नजर आए। नवगठित भैरव बटालियन द्वारा ड्रोन आधारित अभियानों की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। कॉम्बैट ड्रोन्स ने जहां आमजन को आकर्षित किया वहीं रडार बेस्ड ड्रोन जैमर सिस्टम और सम्युक्ता जैमर सिस्टम आदि के माध्यम से आमजन को भारत की प्रतिरक्षा प्रणाली से अवगत करवाया गया।

दर्शक हुए रोमांचित और मंत्रमुग्ध-

ऑल-टेरेन वाहनों के प्रदर्शन तथा मॉड्यूलर ब्रिज निर्माण जैसी व्यवस्थाओं ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय सेना केवल युद्ध में ही नहीं, बल्कि आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी समान रूप से सक्षम है। अनुशासित कदमताल के साथ आर्मी बैंड और घुड़सवार टुकड़ियों ने दर्शकों को गर्व से भर दिया। वहीं, अपाचे, प्रचंड और चेतक हेलिकॉप्टरों की उड़ानों ने दर्शकों को रोमांचित किया। इसी प्रकार, भारतीय सेना के जवानों ने मोटरसाइकिल पर पिरामिड निर्माण, एक टायर पर सवारी तथा अशोक स्तंभ और कमल जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सेना का शौर्य हुआ प्रदर्शित-

भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान की परम्परा को दर्शाते इस आयोजन में विभिन्न वीरता पुरस्कार विजेताओं के दस्ते, नेपाली आर्मी बैण्ड, 61 कैवेलरी रेजीमेंट, हाई मॉबिलिटी रिकॉनिनेंस व्हीकल, भीष्म टैंक, मुख्य युद्ध टैंक अर्जुन मार्क-1, नाग मिसाइल सिस्टम मार्क-1, अपग्रेडेड शिल्का, स्पेशलिस्ट मॉबिलिटी व्हीकल, क्रिक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल, लाइट स्ट्राइक व्हीकल, व्हीकल माउंटेड इन्फेन्ट्री मोर्टार सिस्टम, जू-23 मिनी गन, एल-70 वायु रक्षा तोप, यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम-सूर्यास्त्र, सेटेलाइट संचार प्रणाली, शक्तिबाण रेजीमेंट, स्वदेशी नस्लों के सैन्य डॉग्स आदि की भागीदारी ने लोगों में गर्व, स्वाभिमान, उत्साह और रोमांच का संचार किया।

आत्मनिर्भर भारत की दिखी झलक-

इस दौरान आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत 2047 की झलक दिखलाती झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। वहीं, राजस्थानी कला-संस्कृति के प्रदर्शन ने भी लोगों का मन मोहा। उल्लेखनीय है कि 15 जनवरी को मुख्य सेना दिवस परेड का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली से बाहर सेना दिवस परेड की मेजबानी करने वाले शहरों में जयपुर चौथा शहर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर सेना दिवस परेड के सफल आयोजन हेतु राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं के साथ महिला एवं दिव्यांग दर्शकों की सुविधा सुनिश्चित की गई है। सामान्य प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से आयोजन सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से हो रहा है। यह सेना दिवस परेड–2026 भारतीय सेना के पराक्रम का प्रदर्शन भर नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, सुशासन और जनता व सेना के बीच सुदृढ़ होते विश्वास का प्रतीक है। जयपुर में आयोजित यह ऐतिहासिक आयोजन राष्ट्र के सामरिक आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता की नई मिसाल स्थापित कर रहा है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

भाया ने अन्ता तहसील के गांवों में मतदाताओं एवं ग्रामीणों का जताया आभार

बारां (रॉयल पत्रिका) । कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अन्ता ओम सुमन मिर्जापुर ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्ता विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया द्वारा लगातार अन्ता विधानसभा क्षैत्रों के गांवों में पहुंचकर धन्यवाद यात्रा के माध्यम से मतदाताओं एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया जा रहा है। मंगलवार को अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया तहसील अन्ता क्षेत्र के गांव खान की झोपडिया, पलायथा, नागदा की झोपडिया, नागदा, लदवाडा, रायपुरिया, भोज्याखेडी, बिषनखेडी, रातडिया, अलीपुरिया एवं बालाखेडा में पहुंचकर मतदाताओं एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों एवं ग्रामीणों द्वारा गांवों में प्रमोद जैन भाया

का फूल मालाओं, साफाबंदी एवं आतिषबाजी कर भव्य आत्मीय स्वागत सम्मान किया गया। कई स्थानों पर भाया को कार्यकर्ताओं ने फलों से तोला। भाया द्वारा बुजुर्गो के चरण वंदन किए तथा मंदिरों पर ढोक लगाई। अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने कहा कि अन्ता विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने उन पर एक बार फिर से विष्वास जताते हुए उन्हें विधानसभा में पहुंचाया है तथा इस क्षेत्र के विकास के लिए वह कोई कमी नही छोडेंगे।

बींझबायला में घटिया निर्माण सामग्री से बनी सीसी रोड और नाले का भंडाफोड़

-उच्च अधिकारियों ने लिया संज्ञान, निर्माण कार्य रुकवाकर सैंपल जांच के लिए भेजे

विनोद सोखल

बींझबायला\श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला में बन रही सीसी सड़क और उसके साथ निर्मित नाले में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग का गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों द्वारा घटिया गुणवत्ता को लेकर किए गए विरोध के बाद उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और सड़क व नाले दोनों के निर्माण सामग्री के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए। जानकारी के अनुसार, सीसी रोड के साथ-साथ बनाए जा रहे नाले में मानक से कम गुणवत्ता की सामग्री उपयोग में ली जा रही थी। निर्माण में सीमेंट, बजरी और अन्य सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे थे। जब क्षेत्रवासियों ने इसका विरोध किया तो मामला उच्च स्तर तक पहुंचा। निरीक्षण के दौरान

अधिकारियों ने प्रथम दृष्टया निर्माण कार्य में अनियमितताएं पाईं, जिसके बाद तत्काल प्रभाव से नाले का निर्माण कार्य रुकवाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट आने तक कोई भी निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ेगा।

जांच रिपोर्ट के बाद होगी कड़ी कार्रवाई

उच्च अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि यदि जांच में घटिया निर्माण सामग्री की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार ठेकेदार व संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, दोषपूर्ण निर्माण को तुड़वाकर दोबारा गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कराने के निर्देश भी दिए जा सकते हैं।

जनता में आक्रोश, जवाबदेही की मांग

इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्रवासियों में काफी रोष है। लोगों का कहना है कि सरकारी धन से होने वाले कार्यों में इस तरह की लापरवाही जनता के साथ धोखा है। उन्होंने दोषियों पर कठोर कार्रवाई और भविष्य में सख्त निगरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की है। फिलहाल जांच रिपोर्ट का इंतजार है, लेकिन बींझबायला में घटिया निर्माण का यह मामला प्रशासनिक गलियारों में हलचल पैदा कर चुका है।

एवीएम कॉन्वेंट में मनाया गया लोहड़ी व संक्रांति पर्व

-विधि विधान से की पूजा अर्चना, नित्य भी किया

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर के एवीएम कॉन्वेंट स्कूल में लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षाविद् वीके त्यागी द्वारा अग्नि की पूजा कर किया गया। साथ ही विद्यालय प्रशासनिक अधिकारी प्रिया त्यागी, प्राचार्य अनीता त्यागी, शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ विद्यार्थियों द्वारा लोहड़ी की अग्नि में तिल, मूंगफली, रेवड़ी डालकर सभी के लिए मंगलकामना की गई। इस अवसर पर सभी ने गिद्दा और पंजाबी गीतों पर नृत्य कर लोहड़ी पर्व को धूमधाम से मनाया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षाविद् वीके त्यागी ने एवीएम परिवार व विद्यार्थियों को लोहड़ी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि लोहड़ी की पावन अग्नि में तिल भेंट करते समय हमें संकल्प लेना चाहिए कि जो कार्य हम कर रहे हैं, उससे किसी का बुरा न हो। लोहड़ी का त्योहार हमारे सांस्कृतिक तंत्र को मजबूत करने में सहायक है। इसी दौरान प्राचार्या अनीता त्यागी ने लोहड़ी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि लोहड़ी का त्योहार प्रेम और भाईचारे के साथ संस्कृति और उल्लास का पर्व है जो हमें समाज में एकता, सद्भावना और आपसी भाईचारा बनाए रखने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का समापन रेवड़ी व मूंगफली का प्रसाद वितरण कर किया गया।

आगामी नर्सिंग भर्ती में मेरिट-बोनस की मांग, करौली में नर्सिंग अभ्यर्थियों ने सौंपे ज्ञापन

हनीस शेख, कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। आगामी नर्सिंग भर्तियों में अनुभव आधारित मेरिट व बोनस प्रणाली लागू किए जाने की मांग को लेकर करौली जिले में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल अभ्यर्थियों ने आवाज बुलंद की। राजस्थान नर्सिंग ऑफिसर यूनियन, करौली के जिलाध्यक्ष रवींद्र सिंह के नेतृत्व में अभ्यर्थियों ने जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा। यूनियन प्रतिनिधियों ने गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक सपोटरा हंसराज बालोती, भाजपा सांसद प्रत्याशी करौली-धौलपुर इंदु देवी जाटव, पूर्व विधायक हिंडौन राजकुमारी जाटव एवं भाजपा जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन को करौली में ज्ञापन देकर अपनी मांगों से अवगत कराया। ज्ञापन के माध्यम से जिलाध्यक्ष रवींद्र सिंह ने मांग की कि आगामी नर्सिंग ऑफिसर, एएनएम, फार्मासिस्ट एवं पैरामेडिकल की नियमित सीधी भर्तियां पूर्ण रूप से

अनुभव आधारित मेरिट व बोनस प्रणाली के तहत ही संपन्न की जाएं। उन्होंने कहा कि वर्षों से अल्प मानदेय पर कठिन परिस्थितियों में सेवाएं दे रहे संविदा कर्मियों के अनुभव और व्यावहारिक दक्षता को उचित सम्मान मिलना चाहिए। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियम 1965 के अंतर्गत वर्ष 2013, 2018 एवं 2023 की भर्तियों की तर्ज पर ही आगामी भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जाए। इस संबंध में चिकित्सा मंत्री के नाम उप जिला कलेक्टर करौली तथा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम जिला कलेक्टर करौली को भी ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर एडीएम एवं जिला कलेक्टर द्वारा प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया गया कि अभ्यर्थियों की मांगों को संबंधित जनप्रतिनिधियों तक अवश्य पहुंचाया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान उपाध्यक्ष भूर सिंह मीणा, शीशराम गुर्जर, राजकुमार, सोनू गॉड, अमित हर्ष एवं नरेंद्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धौलपुर जिले के बसेड़ी से राधा रजक हुईं सम्मानित

-भरतपुर में आयोजित हुए मेकअप अवॉर्ड शो के दौरान मिला खिताब

सचिन शैडवाल

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के भरतपुर में एक मेकअप अवॉर्ड शो आयोजित किया गया। इस सेमिनार में धौलपुर जिले के बसेड़ी क्षेत्र से ब्यूटीशियन श्रीमती राधा रजक पत्नी भोलू रजक को प्रसिद्ध आर्टिस्ट अतुल चौहान ने अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट अतुल चौहान ने शिरकत की और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ब्यूटी से संबंधित जानकारी सांझा की इस कार्यक्रम में ब्यूटीशियन अनेकों महिलाओं ने भाग लिया जिसमें धौलपुर जिले के बसेड़ी से श्रीमती राधा रजक को भी सम्मानित किया गया इस दौरान राधा रजक ने कहा कि मैं पहले से ही ब्यूटीशियन क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती थी जिसमें में अपनी मेहनत और लग्न कर रही

हूं जिसमें मेरे पति भोलू रजक भी मेरा भरपूर सहयोग करते हैं। क्योंकि हमारे देश के प्रधानमंत्री भी एक मुहिम चला रहे हैं कि महिलाएं आत्मनिर्भर बने इसी को लेकर मैंने स्वयं का रोजगार करने की ठानी और ब्यूटीशियन के क्षेत्र में अपना कदम बढ़ाया। परिवार एवं समाज का नाम किया रोशन आपको बता दें कि राधा रजक एक वह महिला है जो अपने पैरों पर खड़े होकर आत्मनिर्भर का सपना पूरा करना चाहती हैं जिसमें वह पुरजोर तरीके से मेहनत भी कर रही है और आगे भी बढ़ रही है आज इनको मिले इस सम्मान से जहां परिवार का नाम रोशन हुआ है तो वही रजक समाज भी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। महिलाएं अपने पैरों पर खड़े होकर आत्मनिर्भर बने।

एजीटीएफ टीम की सटीक कार्रवाई:

बड़ी वारदात से पहले अवैध हथियार व जिन्दा कारतूस सहित पुलिस थाना हमीरवास का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आई.पी.एस ने बताया कि अभिजित पाटील आई.पी.एस. सहायक पुलिस अधीक्षक वृत राजगढ़ प्रभारी ए.जी.टी.एफ. टीम जिला चूरू के महत्वपूर्ण मार्गदर्शन व दिशा निर्देशन में 13 जनवरी 2026, को एजीटिएफ टीम चूरू की सहायता से पुलिस थाना हमीरवास द्वारा हिस्ट्रीशीटर सोमवीर पुत्र कुड़ाराम, जाति जाट, उम्र 37 वर्ष, निवासी काधराण को अवैध हथियार सहित काधराण की रोही से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से एक देसी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि अभियुक्त किसी गंभीर एवं बड़ी

आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था, जिसे समय रहते एजीटिएफ टीम की सतर्कता से विफल कर दिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त सोमवीर एक आदतन अपराधी एवं थाना हमीरवास का हिस्ट्रीशीटर है। इसके विरुद्ध पूर्व में थाना हमीरवास, थाना राजगढ़ एवं थाना बहल में गंभीर प्रकृति के 09 आपराधिक मुकदमे दर्ज रहे हैं। अभियुक्त हत्या, धोखाधड़ी, मारपीट, अवैध हथियार रखने सहित विभिन्न संगीन अपराधों में संलिप्त रहा है तथा लंबे समय से अपराधी गतिविधियों में सक्रिय है। अभियुक्त की गिरफ्तार से क्षेत्र में संभावित बड़ी आपराधिक घटना को रोका गया है, एजीटिएफ टीम के प्रभारी ने बताया कि जिले में अपराधियों के विरुद्ध सख्त एवं निरंतर कार्रवाई की जा रही है। हिस्ट्रीशीटर एवं आदतन अपराधियों पर हमारी विशेष निगरानी है। किसी भी अपराधि को बक्सा नहीं जावेगा। भविष्य में भी ऐसे अपराधियों के विरुद्ध एजीटिएफ द्वारा कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस थाना हमीरवास में आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है।

चूरू में स्वच्छता की हकीकत उजागर, शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच ने प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच राजस्थान, जिला चूरू द्वारा सोमवार को शहर की गंभीर जनसमस्याओं को लेकर प्रभारी मंत्री, राजस्थान सरकार, जयपुर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिला कलेक्टर में बैठक के दोरान सोपा ज्ञापन। संगठन ने आरोप लगाया कि चूरू नगर परिषद केवल कागजों में स्वच्छता के दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत पूरी तरह इसके विपरीत है। संगठन संयोजक राजेश चौधरी ने बताया कि चूरू शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अस्पताल परिसरों में महिला एवं पुरुष सार्वजनिक शौचालयों की भारी कमी है। विशेष रूप से महिला शौचालयों का अभाव महिला सम्मान और अस्मिता पर सीधा हमला है, बावजूद इसके नगर परिषद द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। संगठन ने सवाल उठाया कि वर्ष 2025 में चूरू नगर परिषद को स्वच्छता के

क्षेत्र में प्रदेश में सातवीं रैंक और ओडीएफ प्लस सर्टिफिकेट कैसे दिया गया, जबकि आज भी नगर परिषद क्षेत्र में लोग शौचालयों के अभाव में खुले में शौच करने को मजबूर हैं। इससे यह संदेह गहराता है कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत हुए कार्य वास्तविक हैं या केवल कागजों में पूरे दिखाए गए हैं। ज्ञापन में यह भी गंभीर आरोप लगाया गया कि राजकीय डीबी जिला अस्पताल, चूरू में नगर परिषद द्वारा सामान्य कचरे का नियमित निस्तारण नहीं किया जा रहा जिसके कारण अस्पताल परिसर में कचरे के बड़े-बड़े ढेर जमा हो गए हैं। यह कचरा अब संक्रामक बायो-वेस्ट में बदल रहा है जिससे मरीजों, उनके परिजनों एवं अस्पताल स्टाफ के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच ने मांग की कि—शहर में तत्काल पर्याप्त संख्या में महिला एवं पुरुष सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया जाए, डीबी अस्पताल से कचरे का नियमित एवं वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत मिले बजट, ओडीएफ प्लस सर्टिफिकेशन और सातवीं रैंक की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो जनआंदोलन,धरना-प्रदर्शन और उग्र संघर्ष किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बींझबायला में धान मंडी के दुकानदारों ने सामूहिक रूप से मनाई लोहड़ी

विनोद सोखल

बींझबायला\श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला धान मंडी परिसर में मंगलवार को दुकानदारों द्वारा लोहड़ी का पर्व बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ सामूहिक रूप से मनाया गया। इस अवसर पर मंडी परिसर में सभी व्यापारियों ने एकजुट होकर पारंपरिक तरीके से लोहड़ी जलाई और पर्व की खुशियां साझा की। कार्यक्रम सामूहिक रूप से आयोजित किया गया, जिसमें मंडी के सभी दुकानदारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लोहड़ी पर्व के माध्यम से व्यापारियों ने आपसी भाईचारे, एकता और सौहार्द का संदेश दिया। साथ ही क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। लोहड़ी के अवसर पर गचक, रेवड़ी, मूंगफली और पतासे का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दुकानदारों ने एक-दूसरे को लोहड़ी की बधाइयां दीं और परंपरागत पर्व को उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया। इस आयोजन ने धान मंडी परिसर में सकारात्मक माहौल बनाया और व्यापारियों के बीच आपसी सौहार्द को और मजबूत किया।

शातिर चोर गिरफ्तार, 50 हजार की नगदी बरामद

शफीक अली

महुवा (रॉयल पत्रिका)। थाना पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की हुई 50 हजार रुपए की नगदी सहित अन्य उपकरण बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी पर पांच हजार का इनाम घोषित है। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि 16 दिसंबर को अमित कुमार मीणा ने मामला दर्ज कराया था कि वह अपने परिवार के साथ अपने गांव खिरखिड़ी गया हुआ था। इस दौरान महुवा बालाजी नगर स्थित उसके सूने मकान से अज्ञात चोर ताला तोड़कर जेवरात व नगदी चोरी कर ले गए । जिस पर पुलिस ने टीम गठित कर आरोपी जितेंद्र और जीतू मीणा पुत्र चनदर लाल मीणा निवासी पाली थाना महुवा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 हजार

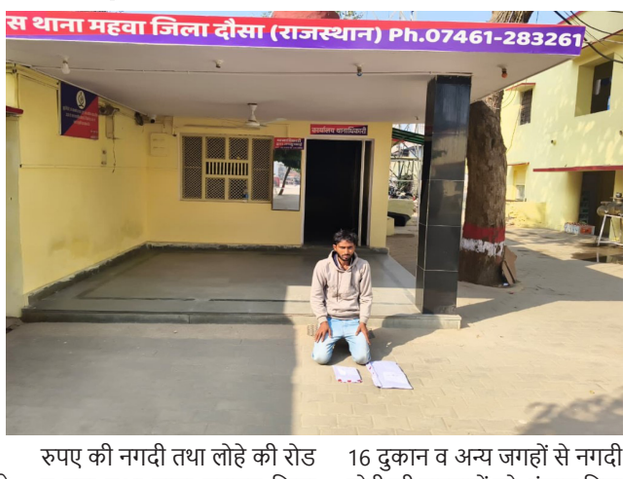

रुपए की नगदी तथा लोहे की रोड व टूटा हुआ ताला बरामद किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी से पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसने महुवा अनाज मंडी स्थित सात दुकानों से,गणपति एंटरप्राइजेज ऑफिस भरतपुर रोड से नगदी व जेवरात। बालाजी नगर सहित अनाज मंडी चाकसू में 16 दुकान व अन्य जगहों से नगदी चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपी पर चाकसू थाने से पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ है। उन्होंने बताया आरोपी से पूछताछ की जा रही है जिससे अन्य चोरी घटनाएं खुलने की संभावना है।

लाडनूं में बनेगा भव्य शहीद स्मारक, युद्ध टैंक लगेगा, शहीदों की गौरव गाथाएं होंगी प्रदर्शित

-निर्माण के लिए भूमि आवंटित कर जिला कलेक्टर ने जारी किया पट्टा

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्र के वीर शहीदों की स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है जो क्षेत्र के लिए बहुत ही गर्व कि बात है और जिला प्रशासन का यह निर्णय अपने आप में काबिले तारीफ के लायक है। जिला कलेक्टर महेंद्र खड़गावत द्वारा शहीद स्मारक के निर्माण के लिए डीडवाना कुचामन जिले की लाडनूं तहसील में भूमि आवंटित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्मारक देश के लिए अपने प्राणों की आहुती देने वाले वीर शहीदों के सम्मान एंव भावी पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से निर्मित किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता मुस्ताक खान कायमखानी ने बताया कि प्रस्तावित शहीद स्मारक मैं शहीदों की गाथाओं को प्रदर्शित करने, श्रद्धांजलि स्थल एवं जनसामान्य के लिए प्रेरणास्पद वातावरण विकसित करने की योजना है। इस शहीद स्मारक स्थल पर भारतीय सेना का युद्धक टैंक लगाने का आवेदन भी सेना मुख्यालय को प्रेषित किया जा चुका है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर महेंद्र खड़गावत ने कहा कि शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमुल्य धरोवर है और उनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। जिला प्रशासन इस परियोजना को समयबद्ध एंव गरिमापूर्ण रूप से पुर्ण कराने हेतु प्रतिबद्ध है। जिला कलेक्टर द्वारा आवंटित भूमि का पट्टा जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल राजेन्द्र सिंह जोधा, ईसीएचएस के प्रभारी अधिकारी राजेन्द्र सिंह की उपस्थिति मैं जारी किया गया है। इस सहरानिय फैसला का स्थानीय सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको ने जिला प्रशासन के इस निर्णय का तहेदिल से स्वागत करते हुए इसे देश के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि बताया है तथा लाडनूं के इतिहास में जिला प्रशासन के इस निर्णय को संदेव याद रखा जाएगा।

एक दिवसीय जिला स्तरीय मधुमक्खी पालन कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में कृषकों की आय संवर्धन एवं वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र, निम्बाहेड़ा रोड, चित्तौड़गढ़ में एक दिवसीय जिला स्तरीय मधुमक्खी पालन कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के कृषकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के प्रारंभ में कृषकों के पंजीयन उपरान्त उप निदेशक उद्यान डॉ. शंकर लाल जाट ने प्रशिक्षण के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए मधुमक्खी पालन को कृषकों के लिए एक लाभकारी आजीविका विकल्प बताया। प्रशिक्षण में संयुक्त निदेशक उद्यान, खण्ड-भीलवाड़ा महेश चन्द्र चेजारा ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न उद्यानिकी एवं मधुमक्खी पालन योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए कृषकों से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में व्याख्याता के रूप में उप निदेशक उद्यान (अनुसंधान) एवं सीओई रमेश चन्द्र आमेटा ने मधुमक्खियों में लगने वाले कीट-रोग, प्राकृतिक शत्रु एवं उनके प्रभावी प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा कृषकों द्वारा बताई गई समस्याओं के समाधान भी सुझाए। कृषि विज्ञान केन्द्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. रतन लाल सोलंकी ने वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन एवं उसके समुचित प्रबंधन पर प्रकाश डाला। सहायक निदेशक कृषि (विस्तार), चित्तौड़गढ़ डॉ. शिवांगी जोशी ने शहद की गुणवत्ता के मापदण्ड, प्रसंस्करण, परिरक्षण, प्रामाणिकता तथा मिलावट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। सहायक निदेशक उद्यान जोगेन्द्र सिंह राणावत एवं कृषि अधिकारी उद्यान डॉ. विमल सिंह राजपूत ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कृषकों से इनका लाभ लेने की अपील की। कृषि अधिकारी सुनील कुमार खोईवाल ने मधुमक्खियों पर कीटनाशी रसायनों के दुष्प्रभावों के प्रति कृषकों को जागरूक किया। इस अवसर पर कृषक अल्पेश चौबीसा एवं मोहन लाल खटीक ने मधुमक्खी पालन से प्राप्त होने वाले विभिन्न उत्पादों एवं उनके प्रसंस्करण से संबंधित अपने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक सहित कुल 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन कृषि अधिकारी उद्यान जसवंत कुमार जाटोलिया ने किया।

समाजसेवी भगवान दास सातडेवाला के स्वर्गवास पर चूरू में शोकसभा हुई

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर समाजसेवी धर्मपरायण भगवान दास सातडे वाला के स्वर्गवास पर चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें महनसरिया ने कहा कि स्वर्गीय भगवान दास जी एक धर्म परायण एवं विकास पुरुष व्यक्ति थे उन्होंने अपने जीवन में मंदिर, आश्रम के निर्माण कराए अनेक जगह गायों की सेवाए की, गरीब की मदद की, सर्दियों में रिजाइया कंबले हमेशा वितरित की जिनहे हमेशा याद रखा जाएगा उनके निधन से चूरू जनपद को छती हुई है, इस अवसर पर अमर सिंह दनेवा, लक्ष्मण सिंह न्योल, सुनीता कपूरिया, शर्मिला भाकर, मुंशी खान, कालूराम महर्षि, ताराचंद बाठिया, मोहन ट्रेलर, अयूब खान मलवाण, जतनलाल खारडिया, नीरज शर्मा, सलीम पिए, सलीम

चौहान, महबूब सेठी, इदरीश दौलत खानी, अरुण शर्मा अध्यापक, मनोज रामगढ़िया, शाहरुख लोहार, ललित मेघवाल, रामप्रसाद पूनिया, हबीब खोखर, सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जनों ने स्वर्गीय भगवान दास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके दो मिनट का मोन रखकर श्रद्धांजलि दी।

बजट-पूर्व संवाद : सवाई माधोपुर के सर्वांगीण विकास के लिए नागरिकों से लिए सुझाव

-पर्यटन, कृषि, आधारभूत सुविधाएं व रोजगार पर मिले सुझाव

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। आगामी बजट में सवाई माधोपुर जिले की आवश्यकताओं एवं जन अपेक्षाओं को प्रभावी रूप से सम्मिलित करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में बजट-पूर्व संवाद बैठक जिला परिषद सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिक मंचों, व्यापारिक संस्थाओं, कृषक प्रतिनिधियों, महिला समूहों, युवाओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार जनभागीदारी के माध्यम से ऐसा बजट तैयार करना चाहती है, जो स्थानीय जरूरतों पर आधारित हो और जिले के समग्र विकास को गति दे। संवाद के दौरान नागरिकों एवं विभिन्न संगठनों द्वारा रणथम्भौर पर्यटन क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, कृषि एवं उद्यानिकी को बढ़ावा देने, अमरूद व अन्य बागवानी फसलों के प्रसंस्करण एवं विपणन, महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूह आधारित आजीविका, खेल सुविधाओं के विकास तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाओं के विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। सवाई माधोपुर में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों के मध्येनजर चकचैनपुरा हवाई पट्टी पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा बनवाने, बनास नदी पर चाण्क्य देह को कोटा चम्बल नदी की तर्ज पर विकसित करने, सवाई माधोपुर में सिटी पार्क विकसित करवाने हेतु प्रस्ताव भिजवाने, पुराने शहर में गर्ल्स कॉलेज, पुरानी तहसील, आदर्श

स्कूल परिसर में पार्किंग व्यवस्था करवाने, बौंली से निवाई कनेक्टिविटी के लिए प्रस्ताव भिजवाने के सुझाव दिए गए। इसी प्रकार सवाई माधोपुर से जयपुर कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए एक्सप्रेस-वे से उतरने के पश्चात फॉर-लेन रोड़ बनवाने का सुझाव दिया गया। व्यापरियों ने जिले के व्यवापारियों को स्थानीय उद्योग के लिए कार्यशाला का आयोजन कर अनुकूल लघु उद्योगों की जानकारी प्रदान करने, शहर व्यापार मण्डल ने जिला अस्पताल के अतिरिक्त अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी नवजात शिशुओं के लिए सुविधाएं विकसित करने, खेल संगठनों की ओर से जिले में खेल सुविधाओं एकेडमी, कोच, स्पोर्ट हॉस्टल आदि सुविधाओं का विकास करने हेतु सुझाव दिए गए। साथ ही पर्यटन की अपार सम्भावना के मध्येनजर मूलभूत सुविधाओं का विकास करने, शिक्षा के स्तर में सुधार हेतु डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने, हाइटेक लाईब्रेरियों का विकास करने, जिला मुख्यालय पर आदिवासी भवन का निर्माण करवाने, आरजीएचएस की तर्ज पर मॉ योजना के तहत भी सेन्टरों पर केशलेश इलाज प्रदान करवाने, राजीविका समूह की महिलाओं द्वारा उत्पादों के विक्रय हेतु हाट बाजार या मार्ट की सुविधा उपलब्ध करवाने के सुझाव रखे। जिला कलक्टर ने सभी सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए आश्वस्त किया कि व्यवहारिक, विकासोन्मुख एवं जिले की आवश्यकता के अनुरूप प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ राज्य सरकार को भेजा जाएगा, ताकि आगामी बजट में सवाई माधोपुर के लिए ठोस एवं दूरगामी प्रावधान सुनिश्चित किए जा सकें। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, जिला प्रमुख सुदामा मीना, पूर्व उप सभापति राजेश गोयल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष डिग्गी प्रसाद मीना, उप निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह, जिलाध्यक्ष योगेश जैलिया सहित व्यापार संगठन, खेल संगठन, राजीविका समूह की महिलाएं, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तरीय जिमनास्टिक प्रशिक्षण का हुआ आगाज

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली के डिस्ट्रिक्ट क्लब स्थित खेल स्कूल में मंगलवार से 69 वीं राष्ट्रीय विद्यालय स्तरीय जिमनास्टिक छात्र-छात्रा 14 वर्ष आयु वर्ग खेलकूद प्रतियोगिता के दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का समारोह पुर्वक आगाज हुआ। प्रधानाध्यापक एवं संयोजक भवानी सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर का आगाज मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप करमचंदानी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी तेज सिंह पंवार, उप जिला शिक्षा अधिकारी शारिरिक, शिक्षा बलवीर सिंह राणावत, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी देवेंद्र प्रसाद डाबी के आथित्य में हुआ। उन्होंने बताया कि शिविर में राजस्थान टीम के कुल 18 छात्र और छात्राएं भाग ले रहे हैं जो 19 से 20 जनवरी तक, साल्ट लेक सिटी कोलकाता पश्चिम बंगाल में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने के लिए छैलेंद्र सिंह राठौड़, पर्वत सिंह बीकानेर से प्रतिनियुक्ति प्रशिक्षक भोम सिंह, जयपाल सांखला, चंदू कुमावत, धर्मिष्ठा प्रजापत आदि जुटे हुए है।

शाहबाद के जंगल को बचाने लिए राष्ट्रीय संत गोविंददेव महाराज को सौंपा ज्ञापन

-प्रकृति, जंगल और पर्यावरण रक्षा के लिए संत समाज सदैव जन आंदोलन के साथ खड़ा रहेगा: गोविंददेव गिरी

बारां (रॉयल पत्रिका)। शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन के अंतर्गत शाहबाद घाटी संरक्षण संघर्ष समिति बारां के प्रतिनिधिमंडल ने शाहबाद तहसील में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित हाइड्रो पावर प्लांट परियोजना के तहत 25 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई को रोकने के लिए राष्ट्रीय संत और श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरी महाराज से भेंट की। इस दौरान उन्हें ज्ञापन सौंपा तथा प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग की। बारां में आयोजित हुई श्रीमदभागवत कथा के समापन के अवसर पर समिति के सदस्यों ने संत गोविंददेव महाराज से अनुरोध किया कि वे इस गंभीर पर्यावरणीय विषय पर प्रधानमंत्री का ध्यानाकर्षण करें। ज्ञापन में बताया गया कि ग्रीनको एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद की इस परियोजना से शाहबाद घाटी के जंगल सहित जैव विविधता,

वन्यजीव एवं स्थानीय जनजीवन को अपूरणीय नुकसान होगा। ज्ञापन पर सहमति व्यक्त करते हुए महाराज ने कहा कि" पर्यावरण संरक्षण आज केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा प्रचारित "एक पेड़ माँ के नाम" योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि" एक ओर वृक्षारोपण की बात की जा रही है, वहीं दूसरी ओर विकास के नाम पर लाखों पेड़ों की कटाई की अनुमति देना नीतिगत विरोधाभास को दर्शाता है। महराज ने इस संदर्भ में केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन को नैतिक समर्थन देने की घोषणा की। उन्होंने शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन के समर्थन में समिति द्वारा तैयार किए गए बैनर का विमोचन भी किया। साथ ही आश्वस्त किया कि "प्रकृति, जंगल और पर्यावरण की रक्षा के लिए संत समाज सदैव जन आंदोलनों के साथ खड़ा रहेगा। इस अवसर पर शाहबाद घाटी संरक्षण संघर्ष समिति के पदाधिकारी संरक्षक प्रशांत पाटनी, अध्यक्ष मुकेश सोनी, शशांक नंदवाना, सत्यप्रकाश राठौर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सनाढ्य महिला मंडल ने विंटर डे पर मनाया नववर्ष स्नेह मिलन व संक्रांति पर्व

बारां (रॉयल पत्रिका)। सनाढ्य महिला मंडल द्वारा विंटर डे के साथ नववर्ष स्नेह मिलन व संक्रांति पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ठंड को देखते हुए ऊनी वस्त्र धारण कर सभी सदस्य विंटर स्पेशल ड्रेस कोड में तैयार होकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। जहां मंडल अध्यक्ष प्रेरणा तिवारी ने सभी सदस्याओं को नववर्ष व संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दी। महामंत्री सीमा शर्मा व कोषाध्यक्ष सुनीता शर्मा ने तिल गुड के लड् से मुंह मीठा करवाया व बधाई दी। टोनिया शर्मा व गरिमा शर्मा ने विभिन्न गेम खिलाए। काउंटिंग गेम्स में प्रथम प्रतीक्षा शर्मा व द्वितीय अनुराधा शर्मा रही। अन्य गेम्स में प्रथम नीलम शर्मा व द्वितीय स्थान पर शैली शर्मा रही। कार्यक्रम में विंटर क्वीन का खिताब नीलम शर्मा व कल्पना शर्मा को प्रदान किया गया। इतिश्री तिवारी, नीता शर्मा व पीहू शर्मा ने नई सदस्य के रूप में ज्योति शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान सभी ने संगीत की धुनों पर नृत्य कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में सपना शर्मा, गरिमा शर्मा, रजनी शर्मा, पद्माशी शर्मा, प्रीति शर्मा, आरती दाधीच, आशा शर्मा आदि ने भाग लिया।

व्यावसायिक शिक्षा के तहत छात्राओ ने किया सरस डेयरी व लाखोटिया उधान का भ्रमण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विधालय मिल क्षैत्र पाली की छात्राओ ने व्यावसायिक शिक्षा एवं सह शैक्षणिक गतिविधियो के तहत मंगलवार को जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (सरस डेयरी) एवं रमणीय स्थल लाखोटिया उधान का भ्रमण किया। संस्थाप्रधान दौलाराम मेघवाल ने बताया कि यावसायिक शिक्षा एवं सह शैक्षणिक गतिविधियो के तहत छात्राओ ने सरदार पटेल नगर स्थित जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (सरस डेयरी) का भ्रमण किया। जिसमे डेयरी प्रबंधन से जुडे अधिकारियो ने उन्हे दुग्ध से सम्बधित सम्पूर्ण प्रक्रिया, घी बनाने की प्रक्रिया तथा विभिन्न उत्पादो के निर्माण सामग्री की विधि एवं दुग्ध के पाश्चुराईजेशन एवं उसकी शुद्वता के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उन्होने छात्राओ की जिज्ञासा को शान्त करते हुए सवालो के जवाब दिया। इस दौरान डेयरी चेयरमैन प्रताप सिंह, प्रबंधक मदन लाल बागड़ी, विपणन शाखा के विजयलक्ष्मी, सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग भागीरथ चौधरी, राजश्री चौहान,हीर सिंह ,विपेंद्र सिंह ,पथ प्रभारी भरत सैन, मोहित माथुर, प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहें। झूलो का लिया आनन्द-मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार ने बताया कि द्वितीय सत्र मे छात्राओ ने पाली के हद्वय स्थल लाखोटिया उधान मे भगवान महादेव के दर्शन कर झूलो का आनन्द लिया। यहा उन्होने पारम्परिक खेलो का आनन्द लेते हुए मंदिर के वैभव को निहारा। इस मौके पर राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित, रमेश परिहार, प्रियांशी सैनी, गुंजन कुमार, पूजा चारण, सुषमा काठात आदि मौजूद रहे।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने किया रैन बसेरों का निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देश.ानुसार सर्दी के मौसम में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर बेसहारा, गरीब, बेघर एवं असहाय व्यक्तियों, महिलाओं एवं बच्चों को रैन बसेरों/आश्रय स्थलों में प्रवेश दिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी द्वारा मेजर ध्यानचंद आश्रय स्थल, पाली तथा झालरवा बावड़ी आश्रय स्थल, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव भाटी ने आश्रय स्थलों में सर्दी से बचाव हेतु उपलब्ध कंबल, बिस्तर, भोजन एवं पेयजल व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने केयर टेकर को आश्रय स्थलों में मौसम के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रखने एवं आश्रय स्थलों को नियमित रूप से खुला रखने के निर्देश दिए। साथ ही आस-पास के क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर खुले आसमान के नीचे सो रहे बेघर एवं बेसहारा व्यक्तियों को रैन बसेरों में प्रवेशित कराने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान रात्रि समय आश्रय स्थलों में ठहरे व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर योजना तथा नालसा एवं रालसा द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ बांगड़ स्टेडियम में

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के युवा कार्य विभाग के अधीन मेरा युवा भारत (माय भारत) पाली द्वारा युवाओं में खेलों को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने तथा खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ पाली के बांगड़ स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि उप जिला शिक्षा अधिकारी बलवीर सिंह राणावत ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेकर युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। माय भारत के सेवानिवृत्त निदेशक श्यामसिंह राजपुरोहित ने राष्ट्र निर्माण एवं स्वयंसेवा के माध्यम से युवा विकास पर प्रकाश डाला। एनसीसी प्रभारी प्रो. रामेश्वर चौधरी ने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन अपनाने का आह्वान किया। पूर्व जिला खेल अधिकारी लहरीदास वैष्णव ने खेलों के माध्यम से जीवन में नई ऊँचाइयाँ छूने के लिए प्रेरित किया। जिला युवा अधिकारी राजेंद्र जाखड़ ने माय भारत के कार्यक्रमों एवं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में कबड्डी के उद्घाटन मैच में सुमेरपुर ब्लॉक की बसंत टीम ने मारवाड़ की राडावास टीम को पराजित किया। रस्साकशी में अटपड़ा एवं रोहट ब्लॉक की कलाली टीम ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका ज्योति भटनागर, प्रेमसिंह, दुर्गाराम, रावतराम, छैलसिंह, श्रवणराम, हेमंत कच्छवाह एवं मदनलाल ने निभाई।

पोस्टर बनाकर विद्यार्थियों ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत मंगलवार को जिले के विभिन्न सरकारी व निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों ने पोस्टरों पर रंगों से सड़क सुरक्षा का सन्देश उकेरा। प्रभारी अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा ने बताया कि जिला सड़क सुरक्षा समिति के बैनर तले चले रहे अभियान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटड़ी, पीएमश्री राउप्रावि कछियाथाना ब्लॉक शाहाबाद, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मिर्जापुर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बडवा, राउमावि तिसाया, रेनगढ़ एवं अटरू ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पटना, दिलौदहाथी एवं शोभागपुरा, किशनगंज एवं तीतरखेड़ी में एनजीओ सदस्य रघुवीर के सहयोग से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 250 से अधिक छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

अभियान में छात्र छात्राओं को सड़क सुरक्षा की जानकारी दी। उन्हें हेलमेट के उपयोग और यातायात के नियमों के बारे में बताया। साथ ही लाइसेंस बनवाने के लिए प्रेरित किया गया।

सड़क सुरक्षा थीम सीख से सुरक्षा और टेक्नोलोजी से परिवर्तन पर जिला सड़क सुरक्षा समिति के एनजीओ सदस्य हरीश कुमार के सहयोग से छबड़ा ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाहरी मैं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित करवाई जिसमें बताया गया कि 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक सड़क दुर्घटना में कमी लाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मतदाता सूची की तैयारियो पर की चर्चा

-पंचायती राज आम चुनाव को लेकर प्रगणको एवं सुरपवाईजर को दिया प्रशिक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। पंचायत आम चुनाव से पूर्व मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को पंचायत समिति सभागार मे भाग संख्यावार प्रगणको एवं सुरपवाईजर को प्रशिक्षण दिया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि प्रशिक्षण मे निर्वाचन विभाग की ओर से पंचायत आम चुनाव से पूर्व मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण राजस्थान पंचायती राज अधिनियम के अनुसार प्रपत्र ए-1 तैयार करने के बारे मे प्रात: साढे दस बजे भाग संख्या 1 से 60 एवं प्रात 11 से साढे ग्यारह बजे तक भाग संख्या 61 से 117 तक के प्रगणको एवं सुरपवाईजर को सुरेश कुमार व्यास एवं अर्जुन सिंह ने विस्तार से प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर ललित कुमार दवे, अनिल नामा, रमेश अणकिया, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, राजेश कुमार सैन, प्रहलाद सिंह चम्पावत, जुगलाल, जय प्रकाश, लोकेश दवे, मनोज कुमार रांगी, पारसराम, आशिष चौधरी, अनिता पारीक समेत निर्वाचन से जुडे कार्मिक मौजूद रहे।

खून की कमी से बचाएगी आयरन की खुराक

-शक्ति दिवस का आयोजन कर गर्भवतियों, बच्चों को किया लाभान्वित

सवाई माधेपुर (रॉयल पत्रिका)। एनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के तहत बच्चों, किशोर-किशोरियों, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर कम करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप आयोजित किया जा रहा है इसी क्रम में मंगलवार को जिले के सभी शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। जिले के सभी जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हैल्थ वेलनेस सेंटर पर नियमित ओपीडी के अलावा मरीजों के हिमोग्लोबीन की जांच और उपचार किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि सभी महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों को शक्ति दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि शक्ति दिवस का मुख्य उद्देश्य

समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियंत्रण के लिए स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच, उपचार तथा एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आयरन स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार आवश्यक है और इसकी कमी होने से किस प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच कर आयरन की दवाएं दी गई। जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा सत्रों का निरीक्षण किया, दवाओं की उपलब्धता की जांच, सभी आयुवर्गों की उपस्थिति की जांच की। चिकित्सा संस्थानों पर एएनएम द्वारा समस्त लक्षित लाभार्थियों की एनीमिया की स्क्रीनिंग की गई, महिलाओं एवम् बच्चों को थकान, भूख ना लगना, नाखूनों का सफेद होना, जीभ पर सफेद परत का होना जैसे कुछ सामान्य लक्षणों के आधार पर तथा एनीमिक पाए गए लोगों को दवा वितरित की गई। साथ ही एनीमिक पाई गई महिलाओं, बच्चों का उपचार कराने के लिए लगातार फॉलोअप किया जाएगा। साथ ही सभी को भोजन की अच्छी आदतों को अपनाने, पोषक तत्वों युक्त भोजन करने, हरी सब्जियों, फलों, आयरन युक्त खाघ पदार्थों का सेवन करने की संबंधी जानकारी दी गई।

नोहर पीएमश्री स्कूल के छात्र ललित की टीम राज्य में प्रथम, मिला 2.5 लाख रुपए का पुरस्कार; अब विदेश भ्रमण पर जाएंगे

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2026 में नोहर के पीएम श्री हजारीमल जोरमल पेड़ीवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 10 के छात्र ललित एवं उनकी टीम ने इतिहास रचते हुए थीमेटिक श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जयपुर में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में टीम ने अपने नवाचार के दम पर विद्यालय व पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। ललित की टीम में प्रमुख सदस्य साहिल, राजेंद्र, प्रिंस और अमिता शामिल रहे, जिन्होंने अपने सहयोगियों प्रीतम, सौरभ आदि के साथ मिलकर मूत्र (यूरिन) से उपयोगी उत्पाद तैयार करने का अभूतपूर्व अविष्कार प्रस्तुत किया। यह नवाचार अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, जैव-उर्वरक उत्पादन तथा सस्टेनेबल कृषि के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान करेगा। अपशिष्ट को संसाधन में बदलने की इस

अवधारणा ने निर्णायक मंडल को विशेष रूप से प्रभावित किया। इस उपलब्धि से पहले भी यह टीम जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर तक अपना परचम लहरा चुकी थी, जो उनकी निरंतर मेहनत, नवाचार और प्रतिभा का प्रमाण है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंच पर टीम को सम्मानित करते हुए 2.5 लाख रुपए का नगद पुरस्कार, आकर्षक ट्रॉफी, सम्मान पत्र और अन्य उपहार प्रदान किए। इसके साथ ही विजेता टीम को अंतरराष्ट्रीय भ्रमण का अवसर भी प्रदान किया जाएगा, जहां छात्र अपने शोध और तकनीकी कौशल को वैश्विक मंच पर साझा कर सकेंगे। टीम के मेंटर शिक्षक सतीश जिंदल ने छात्रों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि मेंटल चेक के माध्यम से इन बच्चों ने चुनौतियों को अवसरों में बदला है। यह अविष्कार NPK सेंसर और IoT आधारित कृषि ऑटोमेशन से प्रेरित है, जो जैविक उर्वरक उत्पादन को सस्ता और सरल बनाएगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र मिश्रा ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि हमारे स्कूल के इन युवा वैज्ञानिकों ने पीएम श्री योजना की सार्थकता सिद्ध कर दी है। जिला से राज्य स्तर तक पहुँचना उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम है। आगे के नवाचारों के लिए विद्यालय संसाधनों की पूरी उपलब्धता कराएगा। उन्होंने बताया कि ललित की टीम आगे Arduino आधारित रोबोटिक्स तथा सेंसर इंटीग्रेशन पर नए प्रोजेक्ट विकसित करने की दिशा में कार्य करेगी।

आलिया भट्ट हुईं यामी गौतम की कायल

'हक' में दमदार एक्टिंग कीजमकर की तारीफ

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने यामी गौतम की नई फिल्म 'हक' देखी और सोशल मीडिया पर यामी की जमकर तारीफ की। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यामी की पिक्चर शेयर की और लिखा कि यामी की परफॉर्मेंस ने उन्हें बहुत प्रभावित किया।

आलिया का प्यार भरा मैसेज

आलिया ने स्टोरी में लिखा, 'क्वीन, तुम पूरी तरह से कला, दिल और सोने जैसी हो। हक में तुम्हारी परफॉर्मेंस मेरी अब तक की टॉप महिला परफॉर्मेंस में से एक है। जैसा कि मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की फैन हूं और बेसब्री से तुम्हारे अगले काम का इंतजार कर रही हूं जो हमें फिर से मोहित और एंटरटेन करेगा।' आलिया की ये बात यामी और उनके फैंस के लिए किसी सपने से कम नहीं थी।

फैंस के रिएक्शन

आलिया के इस पोस्ट के बाद यामी के फैंस सोशल मीडिया पर बेहद खुश हुए। लोग यामी और आलिया दोनों की तारीफ कर रहे हैं। कई फैंस ने लिखा कि यामी की स्किल, इमोशन और स्टाइल सच में कमाल की है।

फिल्म में दमदार एक्टिंग

फिल्म 'हक' में यामी गौतम ने कोर्टरूम ड्रामा के जरिए अपने एक्टिंग का पूरा जलवा दिखाया है। उनके रोल में इमोशन की गहराई, डायलॉग और आत्मविश्वास साफ दिखता है. क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ कर रहे हैं।

थिएट्रिकल रन के बाद कब और कहां आएगी शाहिद-तृप्ति की 'ओ रोमियो'

विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित और मच अवेटेड फिल्म 'ओ'रोमियो' का टीज़र 10 जनवरी, 2026 को रिलीज़ हुआ था। इससे पहले, शाहिद कपूर का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किया गया था। इन सबके बीच खबरें आ रही हैं कि एक दिग्गज ओटीटी प्लेटफॉर्म ने 'ओ'रोमियो' के पोस्ट-थिएट्रिकल स्ट्रीमिंग राइट्स हासिल कर लिए हैं। जानते हैं थिएट्रिकल रन के बाद ओ'रोमियो' कब और कहां होगी रिलीज? विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित और शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर ये एक्शन-थ्रिलर फिल्म वैलेंटाइन डे वीकेंड पर 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। लगभग 45-60 दिनों के थिएटर रिलीज़ शेड्यूल के बाद, फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अवेलेबल होगी। शाहिद कपूर द्वारा अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी किए गए ऑफिशियल पोस्टर के मुताबिक ओटीटी पार्टनर के रूप में अमेज़न प्राइम वीडियो का नाम सामने आया है. गौरतलब है कि 'ओ'रोमियो' शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज का 'कमीने', 'हैदर' और 'रंगून' के बाद चौथा कोलैबोरेशन है।

सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा थलपति विजय की 'जन नायकन' का सेंसर विवाद, रिलीज पर लगी रोक

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय की फिल्म 'जन नायकन' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। यह फिल्म उनके करियर का आखिरी बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है, लेकिन इस बीच फिल्म को लेकर कानूनी विवाद गहरा रहा है। फिल्म की रिलीज पहले ही कई बार टल चुकी है, और अब मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। पिछले सप्ताह मद्रास हाईकोर्ट ने फिल्म को यूए सर्टिफिकेट जारी करने के निर्देश दिए थे। अदालत ने स्पष्ट किया था कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के चेयरपर्सन का फिल्म को रिवाइजिंग कमेटी के पास भेजने का अधिकार अवैध था। कोर्ट के अनुसार, जब चेयरपर्सन ने सिफारिश की थी कि सर्टिफिकेट कट के बाद जारी किया जाएगा, तब उनका यह अधिकार स्वतः समाप्त हो गया था। इसके बाद निर्माताओं ने सर्टिफिकेट तुरंत जारी करने की मांग के साथ अदालत का रुख किया था। हालांकि, अब मद्रास हाईकोर्ट के इस फैसले को चुनौती देते हुए मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। उच्चतम न्यायालय में इस चुनौती के पीछे मुख्य दलील यह है कि फिल्म को रिलीज करने से पहले सभी प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है और किसी भी तरह के सर्टिफिकेट जारी करने या रोकने के फैसले पर समीक्षा की संभावना बनी रहनी चाहिए।

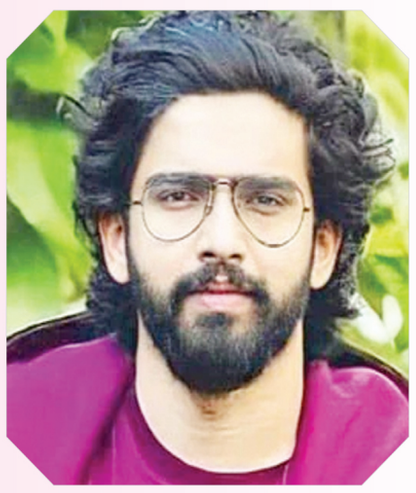

मां बनना आपको बदल देता है

अनुष्का शर्मा

ने मातृत्व अनुभव को किया साझा

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां अपने करियर के शिखर पर मातृत्व का अनुभव करती हैं, और इस दौरान उनकी जिंदगी में आए बदलाव और उनके विचार हमेशा चर्चा में रहते हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की जीवन यात्रा भी बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने बेटी वामिका के पांचवें जन्मदिन के मौके पर अपनी मातृत्व यात्रा को याद किया। अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, ''मां बनना आपको उन तरीकों से बदल देता है जो मायने रखते हैं। आपको पहले जैसा रहने की जरूरत नहीं है।'' अभिनेत्री के पोस्ट के अनुसार, मातृत्व जीवन में नई जिम्मेदारियां और सीख लेकर आता है। हर एक छोटी-छोटी बात, चाहे वह वामिका की पहली मुस्कान हो, पहला कदम हो, या उसके साथ बिताया गया साधारण समय, उनके लिए अनमोल है। अनुष्का शर्मा का यह पोस्ट फैंस और सोशल मीडिया फॉलोअर्स के लिए काफी प्रेरणादायक है। विराट और अनुष्का न सिर्फ भारत में, बल्कि दुनिया के मशहूर कपल में शुमार हैं। विराट अक्सर सोशल मीडिया के जरिए अनुष्का शर्मा के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। अनुष्का और विराट कोहली ने दिसंबर 2017 में इटली में शादी की थी। दोनों की मुलाकात 2013 में एक शैम्पू ऐड शूट के दौरान हुई थी। विराट कोहली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि अनुष्का से पहली मुलाकात में वह काफी घबराए हुए थे और इस घबराहट को खत्म करने के लिए उन्होंने अनुष्का को एक जोक सुनाया था। इस दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई। इसके बाद दोनों को कई बार साथ देखा गया। चार साल तक डेट करने के बाद दोनों ने 1 दिसंबर 2017 को इटली में शादी कर ली। शादी में कुछ ही खास मेहमानों को ही न्योता दिया गया था। 2021 में कपल ने बेटी वामिका का स्वागत किया था। इसके बाद फरवरी 2024 में उनके बेटे अकाय का जन्म हुआ। अनुष्का शर्मा काफी समय से सिनेमा से दूर हैं।

अमल मलिक का तान्या मित्तल पर निशाना, 'पेड पीआर' का भी आरोप, कहा- जाहिल, गंवार फैनडम

रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' खत्म हो चुका है, पर इसके कंटेस्टेंट्स अभी तक छाए हुए हैं। खासकर तान्या मित्तल और अमल मलिक। अमल ने तान्या के फैंस को जाहिल और गंवार कहा है। इसके पीछे वजह ये है कि वो तान्या के फैंस उनपर और उनके परिवार पर निशाना साध रहे हैं। 'बिग बॉस 19' में अमल मलिक और तान्या मित्तल के बीच रिश्ते अच्छे नहीं थे। अमल ने कई बार तान्या को उल्टा-सीधा कहा था। इस बात से तान्या के फैंस अभी तक खफा हैं। उन्होंने उनसे माफी मांगने की भी मांग की थी। इसके बाद अमल के मैनेजर ने अमल के परिवार को इसमें ना घसीटने के लिए ट्वीट किया था, जिससे मामला और बढ़ गया था। अब अमल ने इसपर अपनी चुप्पी तोड़ी है। अमल मलिक ने इस बारे में सीधे X पर बात की है। वो लिखते हैं, 'मैंने पर्सनली और सोशल मीडिया पर भी माफी मांग ली है। ना सिर्फ उनसे बल्कि शो में जो कुछ भी हुआ, उसके लिए हर दूसरे कंटेस्टेंट्स से। घर से बाहर आने के बाद मेरा पहला ट्वीट तान्या के लिए था। इसलिए बकवास करना बंद करो। मेरे मैनेजर, टीम, परिवार के सदस्यों और दोस्तों को परेशान करना बंद करो। जो गेम में थे ही नहीं। तुम सब बस यही दिखा रहे हो कि तुम्हारा फैनडम था, है और रहेगा ही... पेड पीआर कर रहे हो और उसके बारे में आर्टिकल लिख रहे हो कि वो तान्या मलिक है। हा हा हा। अपनी जिंदगी जियो। मेरी बहन वाली टिप्पणी से तुम बेवकूफों का मुंह बंद हो जाना चाहिए था, लेकिन जाहिल गंवार फैनडम को कोई क्या ही बोले।'

रिलीज हुआ 'सनम बेरहम' का टीजर, फैंस को भाई ईशा मालवीय और बसीर अली की जोड़ी

बिग बॉस फेम ईशा मालवीय और बसीर अली स्टारर मचअवेटेड इमोशनल हिंदी सॉन्ग 'सनम बेरहम' सुर म्यूजिक के ऑफिशियल चैनल से रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस गाने को अपनी दिल छू लेने वाली आवाज से सजाया है मशहूर सूफी सिंगर सुल्ताना नूरन ने।गाने में प्यार, जुदाई और टूटे हुए दिल की कहानी को बेहद भावनात्मक अंदाज में पेश किया गया है, जिसने दर्शकों को पहली ही झलक में इंप्रेस कर दिया है। गाने में ईशा और बसीर की केमिस्ट्री खास तौर पर चर्चा में है। दोनों के बीच का दर्द, तकरार और टूटते रिश्तों की पीड़ा को बहुत ही शानदार तरीके से दिखाया गया है। बैकग्राउंड में सुल्ताना नूरन की दर्दभरी आवाज इस कहानी को और भी गहराई देती है। यही वजह है कि रिलीज के कुछ ही समय में यह टीजर सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है और फैंस इसे जमकर शेयर कर रहे हैं।

शरमन जोशी ने की पहली बंगाली फिल्म पर बात बोले भाषा से ज़्यादा ज़रूरी था इमोशन

हिंदी सिनेमा में लंबा और सफल करियर तय करने के बाद, शर्मन ने बताया कि अलग फिल्म उद्योग में काम करना अपने आप में एक चुनौती थी। उन्होंने कहा कि भूमिका की तैयारी के लिए उन्होंने पटकथा के हिंदी और अंग्रेज़ी संस्करण की मदद ली, क्योंकि बंगाली भाषा उनके लिए पूरी तरह नई थी।भाषा की मुश्किल को दूर करने के लिए शर्मन ने मुख्य सहायक निर्देशक के साथ मिलकर हर दृश्य की विस्तार से रिहर्सल की। उन्होंने कहा, 'भले ही मैं भाषा नहीं बोल पा रहा था, लेकिन मैंने भावनाओं को सही तरीके से प्रस्तुत करने पर ध्यान दिया। 'उनके अनुसार, सटीक तैयारी और कड़ी मेहनत ने उनके अभिनय को प्रभावी बनाया।अभिनेता ने यह भी बताया कि फिल्म में उनके लिए स्वरांकन कलाकार का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि भाषाएँ कभी उनकी मज़बूती नहीं रहीं। साथ ही, उन्होंने अपने रंगमंच प्रशिक्षण को श्रेय दिया, जिसने उन्हें हर नए प्रोजेक्ट को बिना किसी पुराने अनुभव का बोझ लिए, नए सिरे से अपनाना सिखाया। फिल्मों के अलावा, शर्मन जोशी एक बार फिर रंगमंच की ओर लौट रहे हैं। वह 25 जनवरी से शुरू होने वाले एक अंग्रेज़ी भाषा के नाटक पर काम कर रहे हैं। इस नाटक में दो कहानियाँ हैं डियर सुंदरी, जो भाषा की बाधाओं के बीच एक सांस्कृतिक रूप से अलग पृष्ठभूमि वाली प्रेम हास्य कहानी है, और डबाय किस, जिसमें एक अभिनेता और रंगमंच के बीच भावनात्मक संवाद दिखाया गया है, जहाँ रंगमंच को एक महिला के रूप में प्रस्तुत किया गया है। भालोबाशार मोरशम और अपने रंगमंच प्रोजेक्ट के ज़रिए, शर्मन जोशी लगातार नए माध्यमों और भाषाओं में प्रयोग करते हुए यह साबित कर रहे हैं कि वह अपने सहज क्षेत्र से बाहर निकलकर भी कहानी कहने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। (साभार एजेंसी)

आखिरी ओवर में 24 साल की बॉलर ने झटके 4 विकेट

डब्ल्यूपीएल 2026 में पहली हैट्रिक

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग 2026 के चौथे मैच में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स की टीमों का आमना-सामना नवी मुंबई के DY पाटिल स्टेडियम में हुआ. इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की एक गेंदबाजी और से ऐतिहासिक ओवर देखने को मिली. इस खिलाड़ी ने सीजन की पहली हैट्रिक अपने नाम की. हैट्रिक के साथ-साथ इस गेंदबाज ने ओवर में 4 विकेट लेने का कारनामा भी किया.

24 साल की बॉलर ने ली हैट्रिक

इस मुकाबले में दिल्ली की युवा तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने हैट्रिक हासिल की. 24 साल की चंडीगढ़ की अनकैप्ड मीडियम पेसर नंदिनी ने सिर्फ चार ओवर में 5 विकेट चटकाए और 33 रन ही खर्च किए इस दौरान उन्होंने पारी के आखिरी ओवर में कमाल कर दिया. उन्होंने इस ओवर में कुल चार विकेट लिए, जिसमें आखिरी तीन गेंदों पर हैट्रिक पूरी की. नंदिनी शर्मा ने कनिका अहूजा, राजेश्वरी गायकवाड़ और रेणुका सिंह को आउट करके अपनी हैट्रिक पूरी की. इससे पहले उन्होंने एश्ले गार्डनर और कशवी गौतम को भी अपना शिकार बनाया.

इसी के साथ नंदिनी शर्मा महिला प्रीमियर लीग के इतिहास में हैट्रिक लेनी वाली चौथी गेंदबाज बन गई. उनसे पहले इस लिस्ट में इजी वॉन्ग (मुंबई इंडियंस), ग्रेस हैरिस (यूपी वॉरियर्ज) और दीप्ति शर्मा (यूपी वॉरियर्ज) का नाम शामिल है. इसके अलावा वह महिला प्रीमियर लीग के इतिहास में 5 विकेट लेने वाली पहली अनकैप्ड गेंदबाज भी बनीं हैं. 2026 ऑक्शन में नंदनी को दिल्ली कैपिटल्स ने 20 लाख रुपए खर्च करके साइन किया था.

हैट्रिक लेने पर क्या बोली नंदिनी ?

नंदिनी शर्मा ने हैट्रिक लेने के बाद कहा, 'मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर गेंदबाजी करने पर था. शेफाली और जेमिमा हर गेंद से पहले मुझसे बात कर रही थीं, और योजना सीधी-सादी थी, स्टंप्स पर आक्रमण करना. मुझे हैट्रिक की उम्मीद नहीं थी, लेकिन टीम लगातार कह रही थी कि विकेट जरूर मिलेंगे. अपने पहले ओवर के बाद मैंने अपनी गेंदबाजी में बदलाव करने का फैसला किया, और यह कारगर साबित हुआ.'

सोफी डिवाइन ने रचा इतिहास, एक ही ओवर में 4 4 6 6 6 6 बनाए 32 रन

नवी मुंबई, एजेंसी। गुजरात जायंट्स की सलामी बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में रविवार को एक ही ओवर में 6 बाउंड्री लगाईं। डिवाइन ने यह कारनामा डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ किया। दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर गुजरात जायंट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

सलामी जोड़ी के रूप में बेथ मूनी और सोफी डिवाइन ने गुजरात को शानदार शुरुआत दिलाई। गुजरात जायंट्स की टीम 5 ओवरों तक बगैर कोई विकेट गंवाए 48 रन बना लिए थे। पारी का छठा ओवर स्नेह राणा के हाथों में था। उनकी पहली गेंद पर सोफी डिवाइन ने डीप स्क्वायर लेग की दिशा में चौका लगाकर टीम के 50 रन पूरे किए।

इसके बाद अगली गेंद पर डिवाइन ने चौका लगाया और फिर ओवर की तीसरी गेंद पर लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का लगा दिया। चौथी गेंद पर डिवाइन ने डीप मिड विकेट की दिशा में छक्का लगाकर महज 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। अगली दो गेंदों पर उन्होंने डीप मिड विकेट और डीप स्क्वायर लेग की दिशा में छक्के लगाए। स्नेह राणा के इस ओवर में गुजरात जायंट्स ने कुल 32 रन बनाकर स्कोर को 80 रन तक पहुंचा दिया।

बार्सिलोना ने जीता स्पेनिश सुपर कप का खिताब

रोमांचक फाइनल मुकाबले में रियल मैड्रिड को दी मात

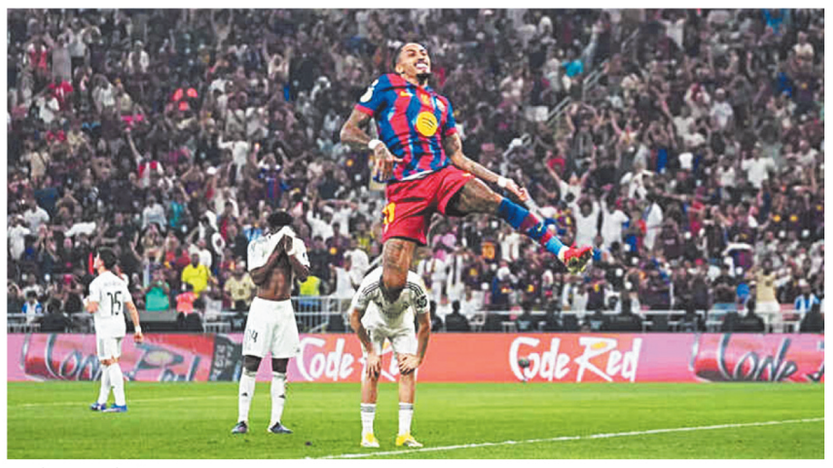

जेद्दा, एजेंसी। बार्सिलोना ने स्पेनिश सुपर कप का खिताब जीत लिया है। किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में खेले गए एक रोमांचक फाइनल मुकाबले में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना के लिए राफिन्हा ने दो गोल किए। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने अपना 16वां स्पेनिश सुपर कप खिताब अपने नाम किया।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच बराबरी के संघर्ष से हुई, लेकिन जैसे-जैसे पहला हाफ आगे बढ़ा, बार्सिलोना ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत की। 36वें मिनट में राफिन्हा ने बॉक्स में शानदार मूव बनाते हुए दूर कोने में नीचा शॉट लगाकर बार्सिलोना को बढ़त दिला दी। रियल मैड्रिड ने तुरंत जवाब दिया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के दूसरे मिनट में विनीसियस जूनियर ने हाफवे लाइन के पास गेंद हासिल की, वे तेजी से आगे बढ़े और दो डिफेंडरों को छकाते हुए एक बेहतरीन सोलो रन के बाद गोल करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।पहले हाफ का रोमांच यहीं नहीं रुका। दो मिनट बाद रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पेनल्टी एरिया में जगह मिली और उन्होंने शानदार चिप के जरिए बार्सिलोना को फिर से बढ़त दिला दी, लेकिन इंटरवल से ठीक पहले रियल मैड्रिड ने एक बार फिर बराबरी हासिल कर ली।

कॉर्नर से आए मौके पर राफिन्हा ने गोल-लाइन पर क्लीयरेंस किया, लेकिन गोंजालो गार्सिया ने रिबाउंड पर झपट्टा मारा। गेंद बार और पोस्ट से टकराने के बाद लाइन पार कर गई और स्कोर 2-2 हो गया। दूसरे हाफ में मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन 73वें मिनट में राफिन्हा ने निर्णायक गोल दागा।

बॉक्स के किनारे से शॉट लगाते समय हल्का फिसलने के बावजूद उनकी गेंद डिफेंडर से टकराकर, गलत पैर पर खड़े गोलकीपर थिबॉट कोर्टोइस को छकाते हुए नेट में चली गई। मैच के अंतिम मिनटों में तनाव चरम पर पहुंच गया जब 90वें मिनट में फ्रेंकी डी जोंग को काइलियन एम्बाप्पे पर फाउल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया और बार्सिलोना 10 खिलाड़ियों तक सिमट गया। रियल ने दबाव बनाया, लेकिन अल्वारो कैरेरास और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के प्रयासों को गोलकीपर जोन गार्सिया ने नाकाम कर दिया।

रोहित शर्मा ने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा, वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ओपनर बल्लेबाज बने

वडोदरा, एजेंसी। भारत के करिश्माई बल्लेबाज रोहित शर्मा ने रविवार को इतिहास रच दिया। वह वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ओपनर बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले वनडे मैच में हासिल की। रोहित ने 301 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत की। धीमी शुरुआत के बाद 38 वर्षीय खिलाड़ी ने छठे ओवर में बेन फॉक्स के खिलाफ पहला छक्का लगाया। पूर्व कप्तान ने अगले ओवर में भी अपनी लय जारी रखी और काइल जैमीसन की बैक-ऑफ-ए-लेंथ गेंद को स्टैंड्स में भेज दिया। इसके साथ ही रोहित ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 650 छक्के भी पूरे कर लिए और यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। रोहित अपनी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए और 9वें ओवर में काइल जैमीसन की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 29 गेंदों में 26 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। रोहित ने अब वनडे में ओपनर के तौर पर 329 छक्के लगाए हैं जिससे उन्होंने वेस्टइंडीज के महान क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 328 छक्के हैं। भारतीय स्टार ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका सीरीज के दौरान वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्कों का शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया था।

टीम मैनेजमेंट मुझे ऑलराउंडर बनाना चाहता है: हर्षित राणा

वडोदरा, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए पहले वनडे मैच को 4 विकेट से जीता। भारत की जीत में हर्षित राणा ने गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद हर्षित राणा ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने को कहा है ताकि जरूरत पर कुछ रन बना सकें। हर्षित राणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, भारतीय टीम मैनेजमेंट उन्हें वनडे में एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के रूप में तैयार कर रहा है।

गेंद से विकेट निकालने के साथ ही निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए रन बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। रोल की स्पष्टता और सीनियर खिलाड़ियों के भरोसे ने उनके आत्मविश्वास को काफी बढ़ाया है। जब उन्हें बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, तो टीम के साथियों से मिला भरोसा उनके लिए सबसे बड़ा सहारा साबित हुआ। राणा ने कहा, 'टीम मैनेजमेंट मुझे एक ऑलराउंडर के तौर पर तैयार करना चाहता है, और मेरा काम है कि मैं लगातार उस पर मेहनत करता रहूं।

मैं नेट्स में बल्लेबाजी पर भी काफी काम कर रहा हूं। टीम की योजना मुझे नंबर आठ के आसपास बल्लेबाजी कराने की है। ' न्यूजीलैंड के दिए 301 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम विराट कोहली और श्रेयस अय्यर के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 77 रन की मजबूत साझेदारी की बदौलत मजबूत दिख रही थी, लेकिन विराट, जडेजा और अय्यर का विकेट जल्दी गिरने के बाद भारत पर दबाव आया। जडेजा के आउट होने के बाद वाशिंगटन सुंदर के होने के बावजूद हर्षित राणा को नंबर सात पर भेजा गया। सुंदर को लगी चोट की वजह से बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया था। राणा ने 23 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाए। इस पारी की बदौलत भारत की जीत की राह आसान हुई। राणा ने डोवोन कोनवे और हेनरी निकोलस के दो अहम विकेट भी लिए थे।

सुंदर वनडे सीरीज से बाहर, बडोनी को मौका

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में चोटिल हुए थे सुंदर, दूसरा वनडे 14 जनवरी को

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया गया है। बडोनी को पहली बार वनडे स्क्वॉड में जगह मिली है। वह राजकोट में टीम से जुड़ेंगे, जहां दूसरा वनडे मैच 14 जनवरी को खेला जाना है।

सुंदर को रविवार को वडोदरा में खेले गए पहले मुकाबले के दौरान पसली में चोट लग गई थी। बीसीसीआई ने जारी बयान में बताया कि सुंदर को बाईं ओर की निचली पसली में दर्द होने लगा था। इसके बाद उन्हें आगे की जांच (स्कैन) के लिए भेजा गया है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम विशेषज्ञों से सलाह लेगी।

26 साल के सुंदर ने पहले वनडे में गेंदबाजी करते हुए 5 ओवर में 27 रन दिए। न्यूजीलैंड की पारी के दौरान उन्हें पसलियों में खिंचाव महसूस हुआ, जिसके बाद वे मैदान छोड़कर बाहर चले गए और फील्डिंग के लिए वापस नहीं लौटे। हालांकि, चोट के बावजूद वे बल्लेबाजी करने आए थे।

राहुल बोले- चोट की गंभीरता का अंदाजा नहीं था

केएल राहुल ने भी वॉशिंगटन की चोट को लेकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे यह पता नहीं था कि वे ठीक से दौड़ भी नहीं पा रहे हैं। मुझे बस इतना पता था कि पहली पारी में उन्हें थोड़ी परेशानी हुई थी, लेकिन चोट की गंभीरता का अंदाजा नहीं था। वह गेंद को अच्छी तरह हिट कर रहे थे।

राहुल ने आगे कहा कि जब वॉशिंगटन बल्लेबाजी करने आए, तब टीम पहले से ही अच्छे रन रेट से खेल रही थी, इसलिए उन पर ज्यादा दबाव नहीं था। उन्होंने स्ट्राइक रोटेट की और अपना काम बखूबी निभाया।

चोट के बावजूद बल्लेबाजी की

भारत की रन चेज के दौरान वॉशिंगटन सुंदर नंबर-8 पर बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने नाबाद 7 रन बनाए और केएल राहुल के साथ मिलकर 16 गेंदों में 27 रनों की अहम साझेदारी की। केएल राहुल 29 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 49 ओवर में 6 विकेट खोकर 306 रन बनाते हुए मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।वॉशिंगटन सुंदर ने नाबाद 7 रन बनाए और केएल राहुल के साथ मिलकर 16 गेंदों में 27 रनों की अहम साझेदारी की।

सुंदर इस सीरीज में चोटिल होने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी: वॉशिंगटन इस सीरीज में चोटिल होने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। इससे पहले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी शनिवार को प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए थे।

वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज से ही बाहर हो गए। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया गया। पंत को भी पसलियों में खिंचाव आ गया था। वहीं, सीरीज शुरू होने से पहले तिलक वर्मा भी चोटिल हो गए थे।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए भारत की अपडेटेड टीम

शुभमन गिल (कप्तान),रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आयुष बडोनी

टी-20 वर्ल्डकप- बांग्लादेश के मैच पाकिस्तान में कराने की पेशकश

ढाका (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के मैच पाकिस्तान में आयोजित कराने की पेशकश इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के सामने रखी है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट जियो न्यूज के अनुसार, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में खेलने से इनकार कर दिया है और अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की है। इसके बाद पीसीबी ने आईसीसी को सूचित किया कि यदि श्रीलंका में मैच कराना संभव नहीं हो पाता है, तो पाकिस्तान अपने स्टेडियम बांग्लादेश के मैचों के लिए उपलब्ध करा सकता है। हालांकि, इस पूरे मामले पर अब तक न तो पीसीबी और न ही आईसीसी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है।

दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने बाबर आजम को किया प्रपोज

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक तस्वीर ने जबरदस्त हलचल मचा रखी है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म को सबके सामने प्रपोज़ किया। तस्वीर देखते ही देखते वायरल हो गई और खासकर पाकिस्तानी फैंस के बीच इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लेकिन इंटरनेट पर वायरल हर चीज़ सच नहीं होती। सवाल यही है क्या यह तस्वीर असली है या फिर एक और डिजिटल भ्रम?

वायरल फोटो में क्या दिखाया गया?

तेज़ी से फैल रही तस्वीर में एलिस पेरी को घुटनों के बल बैठा दिखाया गया है, उनके हाथ में अंगूठी है और सामने खड़े बाबर आज़म मुस्कुराते हुए उन्हें देख रहे हैं। बैकग्राउंड में लाइव दर्शकों की भीड़ दिखाई देती है, जिससे यह आभास होता है कि यह कोई सार्वजनिक इवेंट है।

पुरुष वर्ग में रेलवे का दबदबा, डिप्टी सीएम ने दी विजेताओं को ट्राफी

केरल की बेटियों ने जीता नेशनल वॉलीबाल टूर्नामेंट

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में 72वीं नेशनल वॉलीबाल प्रतियोगिता का समापन शनिवार को हुआ। इस दौरान महिला वर्ग में केरल ने और पुरुष वर्ग में रेलवे ने खिताब अपने नाम किया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ के प्रदेश अध्यक्ष और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के साथ विजेताओं को ट्राफी दी।

महिला वर्ग में केरल ने कड़े मुकाबले में रेलवे को हराया। वहीं रेलवे ने केरल को पुरुष वर्ग में लगातार तीन सेटों में हराकर ट्राफी और नकद पुरस्कार जीत लिया। दोनों डिप्टी सीएम ने टीमों के उज्जवल भविष्य की कामना की और आयोजकों को शुभकामनाएं दी।विजेता ट्राफी के साथ केरल की महिला वर्ग की टीम। दोनों डिप्टी सीएम ने ट्राफी देकर किया सम्मानित।

रोमांचकारी रहा दोनों फाइनल

सिगरा स्टेडियम के इंडोर कोर्ट पर रविवार को आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबाल चैंपियनशिप का महिला फाइनल ऐतिहासिक बन गया। रोमांच की अंतिम सीमा तक पहुंचे इस मुकाबले में पुरुष वर्ग में जहां रेलवे के स्मैशर्स ने केरल की चुनौती को एकतरफा अंदाज में ध्वस्त कर खिताब पर कब्जा जमाया। वहीं महिला वर्ग के रोमांचक फाइनल में केरल ने रेलवे को हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

केरल की बेटियों ने रेलवे को रौंदा

दिन का पहला फाइनल मैच लड़कियों का खेला गया। जिसमें केरल की बेटियों ने अपने प्रतिद्वंद्वी भारतीय रेलवे को 3-2 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया। पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करने वाली केरल की टीम ने निर्णायक सेट में रेलवे को कोई मौका नहीं दिया। ?मुकाबले की शुरुआत रेलवे के पक्ष में रही।

जहां उन्होंने पहला सेट 25-22 से जीतकर अपनी मंशा साफ कर दी। इसके बाद केरल ने जोरदार पलटवार किया और लगातार दो सेट 25-20 और 25-15 से जीतकर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। चौथे सेट में रेलवे ने फिर वापसी की और 25-22 से जीतकर मैच को निर्णायक पांचवें सेट में धकेल दिया।

जेएनयू की घटना से पूरा देश स्तब्ध है : मुख्यमंत्री रेखा

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन जैसी घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है, जहां दंगों के आरोपियों के लिए जमानत की मांग की गई और आतंकवादियों का समर्थन किया गया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि छात्रों ने अशोभनीय नारे लगाए और देश के खिलाफ बात की। उच्चतम न्यायालय ने पांच जनवरी को वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में जेएनयू के दो पूर्व छात्रों और कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस फैसले के बाद कुछ छात्रों ने कथित तौर पर जेएनयू परिसर के अंदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ भड़काऊ नारे लगाए।राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को बधाई देते हुए गुप्ता ने कहा कि पूरा देश उनकी ओर देखता है, क्योंकि राष्ट्र को प्रगति की ओर ले जाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा, जेएनयू जैसी घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है, जहां दंगों के आरोपियों के लिए जमानत की मांग की जाती है और आतंकवादियों का समर्थन किया जाता है। देश को यह दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि विश्वविद्यालय के छात्र... अशोभनीय नारे लगाते हैं और राष्ट्र के खिलाफ बोलते हैं। दिल्ली पुलिस ने जेएनयू प्रशासन की शिकायत पर पांच जनवरी के विरोध प्रदर्शन के संबंध में भारतीय न्याय संहिता की धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), 353(1) (सार्वजनिक उपद्रव को बढ़ावा देने वाले बयान) और 3(5) (साझा मंशा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

देश के संसाधनों को बड़ी कंपनियों के हाथों में सौंप रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी : खरगे

● केंद्र के इस कदम से पंचायतों के कामकाज में भी बाधा आएगी

बेंगलुरु,(भाषा)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनरेगा को निरस्त करने और उसके स्थान पर वीबी-जी राम जी नामक एक नई ग्रामीण रोजगार योजना लागू करने के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जनविरोधी करार देते हुए सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मदद करने के बजाय देश के संसाधनों को बड़ी कंपनियों को सौंप रहे हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करने के खिलाफ कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार के विरुद्ध अपना संघर्ष जारी रखेगी। खरगे ने विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (वीबी - जी राम जी) को रद्द करने और उसके स्थान पर मनरेगा को बहाल करने की मांग भी की। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैं किसी के भी बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मनरेगा आम लोगों के लिए काम करने का अधिकार था। संविधान के निर्देशक सिद्धांतों के अनुच्छेद 41 के अनुसार, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान सोनिया गांधी के नेतृत्व में इसे कानून के रूप में अधिनियमित किया गया था। उन्होंने एक ऐसे अधिनियम को रद्द कर दिया है जिसका उद्देश्य गरीबों का पेट भरना और उनकी मदद करना था। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्र के इस कदम से पंचायतों के कामकाज में भी बाधा आएगी। खरगे ने कहा, नए कानून के तहत 60:40 के लागत-साझाकरण अनुपात के साथ, राज्य सरकारों पर 30 प्रतिशत का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है, क्योंकि पहले केंद्र और राज्यों के बीच लागत-साझाकरण अनुपात 90:10 था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का इरादा मनरेगा योजना को पूरी तरह से बंद करना और लोगों तक इसके लाभ पहुंचने से रोकना था।

जरूरत पड़ने पर सिद्धरमैया और शिवकुमार को बातचीत के लिए बुलाया जाएगा : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर जारी सत्ता गतिरोध के बीच सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को आवश्यकता पड़ने पर बातचीत के लिए नई दिल्ली बुलाया जाएगा। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को दिल्ली में बातचीत के लिए कब बुलाया जाएगा, इस सवाल के जवाब में खरगे ने कहा, जब भी जरूरत होगी, पार्टी उन्हें बुलाएगी। प्रदेश कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के 20 नवंबर को ढाई वर्ष पूरे होने के बाद मुख्यमंत्री पद में संभावित बदलाव की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर संघर्ष तेज हो गया है।वर्ष 2023 में सरकार गठन के समय सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते ने अटकलों को और तेज कर दिया है।

वाद-विवाद और असहमति स्वस्थ लोकतंत्र का हिस्सा : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (भाषा)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि वाद-विवाद, चर्चा, असहमति और यहां तक कि टकराव भी स्वस्थ लोकतंत्र के आवश्यक तत्व हैं, लेकिन ऐसी प्रक्रियाओं का अंततः एक निष्कर्ष पर पहुंचना आवश्यक है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्णय हो जाने के बाद उसके कार्यान्वयन में सहयोग करने की सामूहिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के नौवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने स्नातक की उपाधि हासिल करने वाले छात्रों से अपने ज्ञान और कौशल को राष्ट्र सेवा में समर्पित करने का आग्रह किया। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके उपदेशों को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा को डिग्री से आगे बढ़कर चरित्र निर्माण, बौद्धिक क्षमता में वृद्धि और व्यक्तियों के सशक्तीकरण पर जोर देना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि केवल शिक्षा और उचित प्रशिक्षण ही भारत के युवाओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में सक्षम बनाएगा। भारत में ज्ञान की सभ्यतागत परंपरा को रेखांकित करते हुए राधाकृष्णन ने नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों का उल्लेख किया और कहा कि उपनिषदों और भगवद्गीता से लेकर कौटिल्य के अर्थशास्त्र और तिरुवल्लुवर के तिरुक्कुरल तक, भारतीय धर्मग्रंथों और शास्त्रों ने निरंतर शिक्षा को सामाजिक और नैतिक जीवन के केंद्र में रखा है।

राजनीति कोई अंशकालिक गतिविधि नहीं है, शॉर्टकट से बचें: नितिन नवीन

गुरुग्राम,(भाषा)। युवा नेताओं से भारत को विकसित बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि राजनीति कोई अंशकालिक गतिविधि नहीं है और जिन युवाओं में इस क्षेत्र में शामिल होने का जुनून और ऊर्जा है, उन्हें शॉर्टकट से बचना चाहिए। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर गुरुग्राम में आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, राजनीति सौ मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि एक लंबी मैराथन है। यह गति की परीक्षा नहीं, बल्कि धैर्य और सहनशक्ति की परीक्षा है। उन्होंने युवाओं से आगे आकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में योगदान देने का आग्रह किया। नवीन ने कहा, आज के युवाओं में जोश और ऊर्जा है, और उनके इस जोश को सही दिशा देने वाले प्रधानमंत्री मोदी हैं। उन्होंने कहा, अगर हम 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तो इस देश के युवाओं को आगे आना होगा, और इस देश के युवा नेताओं को आगे बढ़कर अग्रणी भूमिका निभानी होगी। भाजपा नेता ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं और उन्हें सामाजिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भी प्रोत्साहित किया है। राजनीति में प्रवेश करने की इच्छा रखने वालों को संदेश देते हुए नवीन ने कहा कि उन्हें शॉर्टकट से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, कुछ लोग राजनीति को अंशकालिक गतिविधि मानते हैं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता पूरी लगन और समर्पण के साथ पूर्णकालिक राजनीति करते हैं, ताकि राष्ट्र की सेवा निष्ठापूर्वक की जा सके।

केरल में कार और बस की टक्कर में तीन लोगों की मौत

कोट्टायम, (भाषा)। केरल के कोट्टायम जिले के मोनिपल्ली में सोमवार को एक कार की राज्य परिवहन निगम की बस से टक्कर हो जाने के कारण उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान सुरेश (52), अंबिली (48) और अर्जित (7) के रूप में की है, जो कोट्टायम जिले के नींदूर के निवासी थे। उसने बताया कि हादसे में हताहत हुए लोग अपने परिवार के साथ एक मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, पूर्वाह्न 11 बजे से 11:30 बजे के बीच उनकी कार नियंत्रण से बाहर हो गई और विपरीत दिशा से आ रही राज्य परिवहन निगम की बस से टकरा गई।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अधिकार को आसानी से सीमित नहीं किया जा सकता : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली,(भाषा)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि उच्च शिक्षा या पेशेवर शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार भले ही संविधान के तहत मौलिक अधिकार न हो, लेकिन उसे आसानी से सीमित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती और इसे सुनिश्चित करने का दायित्व राज्य पर है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने एक ऐसे छात्र के मामले की सुनवाई करते हुए की, जिसका नीट-यूजी 2024 में अनियमितताओं में शामिल होने के आरोपों के कारण मेडिकल कॉलेज में प्रवेश रद्द कर दिया गया था। सीबीआई के रुख को देखते हुए, अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता आरोपी नहीं बल्कि कथित अनियमितताओं के संबंध में एजेंसी द्वारा जांच किए जा रहे आपराधिक मामले में केवल एक गवाह था, और इसलिए उसके द्वारा किसी भी प्रकार का कदाचार किए जाने का कोई प्रथम दृष्टया निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।अदालत ने अपने फैसले में कहा कि प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी उत्तीर्ण करने के बाद याचिकाकर्ता को प्राप्त अधिकार की रक्षा की जानी आवश्यक है और उसके प्रवेश को रद्द करना और एमबीबीएस पाठ्यक्रम से याचिकाकर्ता का नाम हटाना उसकी शैक्षणिक प्रगति को पूरी तरह से 'अनुचित आधारों' पर बाधित करता है। इसमें कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने प्रवेश परीक्षा में भाग लेकर योग्यता के आधार पर प्रवेश प्राप्त किया था और वैध, वास्तविक और बाध्यकारी कारणों से इसे रद्द किया जा सकता है। अदालत ने सात जनवरी को सुनाए गए फैसले में कहा, उच्च या पेशेवर शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार, यद्यपि भारत के संविधान के भाग तीन में मौलिक अधिकार के रूप में स्पष्ट रूप से उल्लेखित नहीं है, फिर भी इस अधिकार को सुनिश्चित करना राज्य का एक सकारात्मक दायित्व है और इसे आसानी से सीमित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

कृष्ण शुक्ल को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

नईदिल्ली । आईआरटीएस 2007 बैच के अधिकारी कृष्ण शुक्ल, CFTM, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर, को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान शुक्रवार को यशोभूमि, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में अश्विनी वैष्णव द्वारा प्रदान किया गया। कृष्ण शुक्ल मूल रूप से बस्ती जनपद के ग्राम सेवरा, लाला छावनी के निवासी हैं। प्रारंभिक शिक्षा गाँव के प्राथमिक विद्यालय से प्राप्त करने के बाद उन्होंने अशोक इंटर कॉलेज छावनी से हाईस्कूल और PPIC वलीपुर सुल्तानपुर से इंटरमीडिएट की पढ़ाई की।उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीएससी और एमएससी (केमिस्ट्री) प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। रेलवे सेवा में उन्होंने मंडल यातायात प्रबंधक टुंडला, Sr. DSO आगरा, Sr. DOM झांसी एवं प्रयागराज जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने हाई-स्पीड रेल की ट्रेनिंग चीन से, LUTP की ट्रेनिंग सिंगापुर व कोरिया से ली तथा IIM बैंगलोर से मैनेजमेंट में मास्टर्स किया। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें पहले जीएम अवार्ड 2013 और विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024 से भी सम्मानित किया जा चुका है। रेल मंत्री ने महाकुंभ 2025 में उनके विशेष योगदान की सराहना की।

2027 में 22 भाषाओं में संसद की कार्यवाही का प्रसारण किया जाएगा: ओम बिरला

नई दिल्ली, (भाषा)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि लोकसभा में पहली बार कार्यवाही का 22 भाषाओं में समांतर अनुवाद शुरू हो चुका है और 2027 में इन सभी भाषाओं में कार्यवाही का प्रसारण किया जाएगा।बिरला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में संसद में नवाचार के अनेक प्रयास गिनाते हुए कहा कि अभी तक सांसदों को उनके लिखित प्रश्न का उत्तर सुबह 9.30 बजे तक मिलता था, लेकिन अब उन्हें एक दिन पहले रात में ही उत्तर मिल जाएगा जिससे वे अपने पूरक प्रश्न तैयार कर सकेंगे। जब अध्यक्ष से संसद में विधेयक पेश किए जाने से ऐन पहले उसकी प्रति दिए जाने के संबंध में कुछ विपक्षी सदस्यों की चिंताओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मेरा भी मत है कि सदस्यों को विधेयक मिलने के बाद उस पर चर्चा में भाग लेने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए जिससे वह तैयारी कर सकें। उन्होंने कहा कि इसके लिए संबंधित विभागों के मंत्रियों से कहा गया है कि नियम-प्रक्रिया के तहत विधेयक पेश करने से पहले सदस्यों को उसके अध्ययन के लिए जितना समय मिलना चाहिए, उतना दिया जाए।उन्होंने कहा कि लोकसभा में पहली बार कार्यवाही का 22 भाषाओं में समांतर अनुवाद किया जा रहा है। बिरला ने कहा कि 2027 में इन सभी भाषाओं में कार्यवाही का प्रसारण किया जाएगा।

शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर पति ने पत्नी की हत्या की

इंदौर (मध्यप्रदेश),(भाषा)। इंदौर में 40 वर्षीय एक महिला की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में उसके पति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने अपनी पत्नी को कथित तौर पर इसलिए हत्या की क्योंकि वह पिछले आठ साल से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर रही थी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) श्रीकृष्ण लालचंदानी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एरोड्रम थाना क्षेत्र में नौ जनवरी को 40 वर्षीय महिला की रहस्यमय हालात में मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि महिला का पति उसके शव को खुद शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय लेकर गया था और दावा किया था कि उसकी मौत अचानक रक्तचाप बढ़ने के कारण घर में सिर के बल गिरने से हुई है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के गढ़वा में हुई सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत

गढ़वा, (भाषा)। झारखंड में गढ़वा जिले के बेल चंपा इलाके में रविवार देर रात एक कार और ट्रक के बीच टक्कर होने के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। गढ़वा थाने के प्रभारी सुनील कुमार तिवारी ने कहा, गैस कटर का इस्तेमाल करके चारों शवों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे स्थित एक घर से टकरा गई। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि चारों मृतक पलामू जिले के पांडू और विश्रामपुर थाना क्षेत्रों के निवासी थे तथा घटना के समय वे श्री वंशीधर नगर के बिलासपुर गांव में एक विवाह समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान नरेन्द्र कुमार पासवान (30), जितेंद्र कुमार पासवान (28), बादल पासवान (18) और विक्की पासवान (18) के रूप में हुई है। वहीं, एक अन्य सडक़ हादसे में पलामू जिले में मोटरसाइकिल और कार की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसा रविवार रात पांकी थाना क्षेत्र के पिपरा कोनवाई में हुआ।पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया जहां दो की मौत हो गई। तीसरे घायल को बेहतर इलाज के लिए बाद में मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया।इसने कहा कि मृतकों की पहचान नूरू गांव के रहने वाले भारत साहू और व्यास यादव के रूप में हुई है।

मणिपुर में तीन संदिग्ध तस्कर गिरफ्तार, एक करोड़ रुपए से अधिक का मादक पदार्थ जब्त

इंफाल, (भाषा)। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में तीन संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 5.89 किलोग्राम याबा गोलियां बरामद की गईं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल पुलिस थाना क्षेत्र में एक चौकी पर तस्करों के वाहन को रोका और उन्हें गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान जेम्स बैट (28), हटनीकिम बैट (50) और डेविड टी मेट (41) के रूप में हुई। पुलिस ने कहा कि उनके पास से याबा की कुल 5.89 किलोग्राम गोलियां जब्त की गईं, जिसकी कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक है। याबा का थाई भाषा में अर्थ होता है क्रेजी मेडिसिन। यह मेथामफेटामाइन का टैबलेट रूप है और बहुत शक्तिशाली मादक द्रव्य है। मादक पदार्थ और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार, इसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए पूर्वी एशिया में पेश किया गया था और यह थाईलैंड, लाओस तथा कंबोडिया के साथ-साथ वियतनाम और म्यांमा में युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गया है।

कर्नाटक के गडग जिले में घर की नींव के लिए खुदाई के दौरान सोना मिला

गडग (कर्नाटक), (भाषा)। कर्नाटक के गडग जिले के लक्कुंडी गांव में एक घर की नींव के लिए मिट्टी की खुदाई के दौरान निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को सोना मिला है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने हार और बालियों सहित 470 ग्राम सोने के आभूषणों को अपने कब्जे में ले लिया जो शनिवार को खुदाई के दौरान मिले। पुलिस के अनुसार, आठवीं कक्षा के छात्र प्रज्वल ऋत्विक ने एक तांबे के बर्तन में रखे आभूषणों को देखा। गडग के पुलिस अधीक्षक रोहन जगदीश ने संवाददाताओं से कहा, लडक़े ने ईमानदारी से गांव के वरिष्ठ सदस्यों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही विभिन्न विभागों के अधिकारी और मूल्यांकनकर्ता मौके पर पहुंचे। बर्तन में कुल 22 वस्तुएं रखी थीं, जिन्हें कब्जे में ले लिया गया है।

युवाओं के लिए अमीर-गरीब की बढ़ती असमानता सबसे बड़ी आर्थिक चिंता : डब्ल्यूईएफ सर्वेक्षण

नई दिल्ली, (भाषा)। दुनिया भर के युवाओं के लिए अमीर और गरीब के बीच बढ़ती असमानता सबसे बड़ी आर्थिक चिंता बनकर उभरी है और युवाओं की एक बड़ी संख्या केवल आलोचना करने के बजाय खुद राजनीति में भी उतरने को तैयार है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह निष्कर्ष सामने आया है। डब्ल्यूईएफ की तरफ से सोमवार को जारी रिपोर्ट यूथ पल्स 2026: बदलती दुनिया के लिए अगली पीढ़ी की सोच में 48.2 प्रतिशत युवाओं ने अमीर एवं गरीब के बीच बढ़ती असमानता को भविष्य को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा आर्थिक रुझान बताया। हालांकि, उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में उद्यमिता को सबसे प्रभावशाली आर्थिक ताकत माना गया है जो नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के प्रति बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सर्वेक्षण के मुताबिक, 57 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने वित्तीय चिंताओं को तनाव और चिंता का प्रमुख कारण बताया। इस रिपोर्ट में 144 देशों और क्षेत्रों के 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के करीब 4,600 युवाओं के विचार शामिल किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, युवाओं की प्राथमिकताएं व्यावहारिक और नीति-उन्मुख हैं। रोजगार सृजन (57.2 प्रतिशत), सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच (46.1 प्रतिशत) और किफायती आवास एवं वित्तीय स्वतंत्रता (32.2 प्रतिशत) को सबसे सशक्त उपायों के रूप में चिन्हित किया गया। युवाओं ने सकारात्मक बदलाव लाने में सामुदायिक नेताओं को सबसे प्रभावी बताया जिससे स्थानीय और जवाबदेह नेतृत्व की मांग झलकती है। वहीं, 36 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे राजनीतिक पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। यह आंकड़ा युवाओं के राजनीतिक रूप से उदासीन रहने की धारणा को चुनौती देता है। सर्वेक्षण में जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी वैश्विक चिंता के रूप में सामने आया। इसे 56 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886